website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 16 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार 27 दिसम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

क्रिसमस पर आतंक के खिलाफ बड़ा एक्शन: अमेरिकी सेना ने आईएस ठिकानों पर बरसाए गोले

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिसमस के दिन अमेरिका ने आतंकवाद के खिलाफ बड़ा सैन्य कदम उठाया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने उत्तर-पश्चिम नाइजीरिया में आईएसआईएस (आईएसआईएस) के ठिकानों पर हवाई हमला किया है। खास बात यह रही कि ट्रंप ने इस कार्रवाई की जानकारी क्रिसमस के दिन सार्वजनिक की।

ट्रंप के आदेश पर आईएसआईएस के खिलाफ हवाई हमला

राष्ट्रपति ट्रंप ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट कर कहा, "आज रात, कमांडर इन चीफ के रूप में मेरे निर्देश पर अमेरिका ने उत्तर-पश्चिम नाइजीरिया में आईएसआईएस आतंकवादियों के खिलाफ एक शक्तिशाली और घातक हमला किया है।" उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई आतंकियों की गतिविधियों को रोकने के लिए जरूरी थी।

ईसाइयों पर हमलों को लेकर ट्रंप की सख्त चेतावनी

ट्रंप ने अपने बयान में कहा कि आईएसआईएस आतंकियों ने निर्दोष ईसाइयों को निशाना बनाते हुए बेरहमी से हत्याएं कीं, जैसा कि लंबे समय से नहीं देखा गया था। उन्होंने बताया कि उन्होंने पहले ही आतंकियों को चेतावनी दी थी कि यदि ईसाइयों का नरसंहार नहीं रुका तो उन्हें इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे, और अब वही हुआ।

नाइजीरियाई अनुरोध पर अमेरिकी कार्रवाई

अमेरिकी सेना की अफ्रीका कमांड (एएफआरआईसीओएम) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी दी कि यह हवाई हमला नाइजीरियाई अधिकारियों के अनुरोध

पर किया गया। बयान में कहा गया कि इस कार्रवाई में कई आतंकवादी मारे गए हैं और अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया।

रक्षा सचिव का बयान, आगे और कार्रवाई के संकेत

अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने नाइजीरियाई सरकार को सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने संकेत दिया कि आगे भी कड़ी कार्रवाई की जा सकती है। एएफआरआईसीओएम के अनुसार, यह हमला सोबोटो क्षेत्र में हुआ, जो नाइजीरिया के सोकोटो राज्य का हिस्सा है।

पहले से बन रही थी सैन्य कार्रवाई की योजना

यह अमेरिकी सैन्य कार्रवाई ट्रंप के उस बयान के कुछ हफ्तों बाद हुई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि नाइजीरिया में ईसाइयों के उत्पीड़न के आरोपों के बाद उन्होंने पेंटागन को संभावित सैन्य कार्रवाई की योजना तैयार करने का आदेश दिया था।

नाइजीरियाई सरकार ने आरोपों को किया खारिज

हालांकि नाइजीरियाई सरकार ने ट्रंप के दावों को खारिज किया था। सरकार का कहना है कि सशस्त्र समूह देश में मुस्लिम और ईसाई दोनों समुदायों को निशाना बनाते हैं। साथ ही यह भी कहा गया कि धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए नाइजीरियाई अधिकारी सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर नाइजीरिया का जोर

अमेरिकी हमले की घोषणा के बाद नाइजीरिया के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि देश आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद के खतरे से निपटने के लिए अमेरिका सहित अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ संरचित सुरक्षा सहयोग कर रहा है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि इस सहयोग का उद्देश्य क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखना है।

'हम नजरअंदाज नहीं कर सकते...' बांग्लादेश में हिंदू युवकों की लिंचिंग पर भारत का कड़ा रुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में जारी राजनीतिक संकट और अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों को लेकर भारत ने सख्त प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार (26 दिसंबर 2025) को बयान जारी कर कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने दीपू दास की हत्या की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि भारत को उम्मीद है कि दोषियों को जल्द न्याय के कटघरे में लाया जाएगा।

हिंसा को राजनीतिक कहकर टाला नहीं जा सकता

विदेश मंत्रालय ने साफ शब्दों में कहा कि बांग्लादेश की मौजूदा अंतरिम सरकार के कार्यकाल में करीब 2900 ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें हत्या, आगजनी और जमीन हड़पने जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि इन घटनाओं को केवल राजनीतिक हिंसा बताकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है।

बांग्लादेश चुनाव और तारिक रहमान की वापसी

बांग्लादेश में फरवरी 2025 में प्रस्तावित आम चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) चुनावी तैयारी में जुट गई है। इसी क्रम में बीएनपी के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान 17 साल बाद ढाका लौटे हैं। एयरपोर्ट पर उतरते ही उन्होंने नंगे पैर बांग्लादेश की धरती पर कदम रखकर राजनीति में अपनी वापसी को प्रतीकात्मक रूप से दर्शाया।

चुनावों पर भारत की अपेक्षा

तारिक रहमान की वापसी और आगामी चुनावों पर प्रतिक्रिया देते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत बांग्लादेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष और समावेशी चुनाव की उम्मीद करता है। मंत्रालय ने कहा कि भारत बांग्लादेश के नागरिकों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और वहां शांति, स्थिरता व सभी वर्गों की भागीदारी चाहता है।

हिंदू युवकों की हत्या से बढ़ी चिंता

बांग्लादेश में उस्मान हादी की हत्या के बाद कट्टरपंथी तत्वों द्वारा हिंदुओं पर हमले तेज हो गए हैं। पहले दीपू दास की भीड़ द्वारा हत्या कर शव को पेड़ से लटकाकर जलाया गया, फिर राजबाड़ी में अमृत मंडल उर्फ सम्राट की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इन घटनाओं को लेकर भारत समेत कई देशों में यूनुस सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

UP में ब्राह्मण विधायकों की बैठक पर सियासी संग्राम

- पंकज चौधरी की नसीहत पर अखिलेश का पलटवार

यूपी। उत्तर प्रदेश में ब्राह्मण विधायकों की बैठक का मामला अब और ज्यादा तूल पकड़ता जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी की यूपी इकाई के अध्यक्ष पंकज चौधरी की ओर से दी गई नसीहत पर कन्नौज से सांसद और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। इस मुद्दे को लेकर सियासत गरमा गई है और बयानबाजी तेज हो गई है। अखिलेश यादव ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी पर सीधा निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भी परोक्ष टिप्पणी की है। अखिलेश ने इशारों में यह दावा किया कि ब्राह्मण विधायकों को दी गई नसीहत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कहने पर पंकज चौधरी ने दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "अपनों की महफ़िल सजे तो जनाब मेहरबान और दूसरों को भेज रहे चेतावनी का फ़रमान।" अखिलेश यादव के इस पोस्ट को यूपी विधानमंडल के मानसून सत्र के दौरान हुई ठाकुर विधायकों की कथित कुटुंब बैठक से जोड़कर भी देखा जा रहा है। उस समय विभिन्न दलों के ठाकुर विधायक उस बैठक में शामिल हुए थे। हालांकि, उस बैठक को लेकर भाजपा की ओर से तब कोई प्रतिक्रिया या आधिकारिक टिप्पणी सामने नहीं आई थी। अब अखिलेश के बयान के बाद इस पुराने मुद्दे की भी फिर से चर्चा होने लगी है।

पंकज चौधरी ने क्या कहा था?

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने हाल ही में पार्टी के जनप्रतिनिधियों को स्पष्ट रूप से आगाह किया था

कि वे किसी भी तरह की नकारात्मक राजनीति का शिकार न बनें। उन्होंने कहा था कि इस प्रकार की कोई भी गतिविधि भाजपा के संविधान और आदर्शों के अनुरूप नहीं मानी जा सकती। पंकज चौधरी ने यह भी कहा था कि भारतीय जनता पार्टी सिद्धांतों और विचारधारा पर आधारित राजनीतिक दल है और पार्टी या उसके कार्यकर्ता परिवार या वर्ग विशेष को लेकर राजनीति करने में विश्वास नहीं करते हैं। पंकज चौधरी ने मीडिया में प्रसारित एक कथित खबर का जिक्र करते हुए बताया था कि पिछले दिनों विधानसभा सत्र के दौरान कुछ जनप्रतिनिधियों द्वारा एक विशेष भोज का आयोजन किया गया था, जिसमें अपने समाज से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पार्टी ने संबंधित जनप्रतिनिधियों से सतर्कता के साथ बातचीत की। उन्होंने कहा था कि सभी को स्पष्ट रूप से बता दिया गया है कि ऐसी गतिविधियां भाजपा की संवैधानिक परंपराओं के अनुकूल नहीं हैं और भविष्य में इस तरह की किसी भी गतिविधि से बचने के लिए सतर्कता बरतने को कहा गया है।

आदिकाल की पर्वतमाला को जानबूझकर खतरे में डाला जा रहा है — पायलट

नई दिल्ली। अरावली पर्वतमाला के संरक्षण को लेकर सोशल मीडिया से लेकर सड़कों तक सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तेज हो गए हैं। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि आज पूरे राजस्थान और देश में लोग अरावली को लेकर गंभीर चिंता जता रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो पर्वतमाला आदिकाल से करोड़ों लोगों के लिए सुरक्षा कवच बनी हुई थी, उसे जानबूझकर खतरे की दिशा में धकेला जा रहा है। हाल ही में कोर्ट की ओर से आए वक्तव्य में सरकार की भूमिका पर सवाल खड़े होते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि अरावली का 90 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र नई परिभाषा के दायरे से बाहर और असुरक्षित हो जाएगा।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नाक के नीचे अवैध खनन हो रहा है, लेकिन उसे रोकने के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही। पायलट ने कहा कि या तो सरकार विवश है या फिर उसकी नीयत में कमी है। अब तक सरकार इस मामले को सुलझाने के लिए सुप्रीम कोर्ट नहीं गई कि अरावली की परिभाषा को दोबारा स्पष्ट किया जाए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यह डबल इंजन नहीं, बल्कि चार इंजन वाली सरकार है और चारों इंजन इस बात में लगे हैं कि कैसे अलवर की पर्वतमाला को खत्म किया जाए। अरावली खनन के मुद्दे पर सचिन पायलट ने कहा कि अरावली रेंज को गंभीर खतरा है, क्योंकि सरकार ने कोर्ट में जो दस्तावेज जमा किए हैं और जो परिभाषा दी है, उसके अनुसार ज्यादातर पहाड़ 100 मीटर से कम ऊंचाई वाले बताए गए हैं। उन्होंने कहा कि बैन पहले भी लगा था, लेकिन आज सरकार लोगों का भरोसा खो रही है। यह पर्वत श्रृंखला प्राचीन काल से हमारी रक्षा कवच रही है, लेकिन आज उसके अस्तित्व पर ही संकट खड़ा हो गया है। इसी कारण लोग सड़कों पर उतरकर विरोध कर रहे हैं। इसी क्रम में सहयोग एक पहल संस्थान की ओर से अरावली संरक्षण की मांग को लेकर झुंझुनूं जिले के सिंघाना में पैदल विरोध रैली निकाली गई। रैली में शामिल युवाओं ने हाथों में तख्तियां और तिरंगा झंडा लेकर 'अरावली बचाओ' के नारे लगाए। प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने टॉप कोर्ट के आदेशों की प्रतिलिपियां जलाकर अपना विरोध दर्ज कराया। रैली में 'आदेश वापस लो' और 'अरावली बचाओ—राजस्थान बचाओ' जैसे नारे भी बुलंद किए गए। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि अरावली केवल पहाड़ों की श्रृंखला नहीं, बल्कि राजस्थान की लाइफलाइन है। इसके संरक्षण से ही पर्यावरण संतुलन बना रह सकता है, जल सुरक्षा सुनिश्चित हो सकती है और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित किया जा सकता है।

जापान की फैक्ट्री में बड़ा अटैक:

शख्स ने भीड़ पर धारदार चाकू से कर दिया हमला; कई घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। जापान की एक रबर फैक्ट्री में चाकूबाजी की गंभीर घटना सामने आई है, जिसमें कई लोग घायल हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह हमला शुक्रवार को सेंट्रल जापान में हुआ, जिसके बाद अफरा-तफरी मच गई। घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एएफपी न्यूज एजेंसी के मुताबिक यह घटना शिजुओका प्रांत के मिशिमा शहर में स्थित एक रबर फैक्ट्री के अंदर हुई। बताया जा रहा है कि एक व्यक्ति ने फैक्ट्री परिसर में मौजूद कर्मचारियों पर धारदार चाकू से अचानक हमला कर दिया। हमले के दौरान आरोपी ने एक अज्ञात तरल पदार्थ भी स्प्रे किया, जिससे स्थिति और ज्यादा भयावह हो गई। एक इमरजेंसी सर्विस अधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना

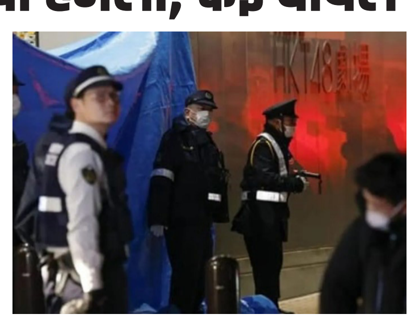

मिलते ही राहत और बचाव दल मौके पर पहुंच गया। हमले के तुरंत बाद आरोपी को फैक्ट्री परिसर से ही हिरासत में ले लिया गया। इमरजेंसी अधिकारियों के अनुसार इस हमले में कम से कम 14 लोग घायल हुए हैं। फायर फाइटिंग डिपार्टमेंट के अधिकारी तोमोहारू सुगियामा ने बताया कि सभी घायलों को आपातकालीन इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हमले के पीछे की वजह और आरोपी की पहचान को लेकर जांच की जा रही है।

बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या पर धीरेंद्र शास्त्री बोले, 'अगर कोई कदम नहीं उठाया गया तो...'

नई दिल्ली। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों और हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के लिए अब बांग्लादेशी हिंदुओं के लिए ठोस कदम उठाना जरूरी हो गया है। यदि कोई कार्रवाई नहीं की गई, तो हिंदुओं की पहचान खतरे में पड़ जाएगी। शास्त्री ने सुझाव दिया कि अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों की जगह बांग्लादेशी हिंदुओं को भारत में सुरक्षित स्थान दिया जाना चाहिए। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में आयोजित कार्यक्रम में शास्त्री ने कहा, "अगर हम अभी उनके काम नहीं आए तो हिंदू एकता का कोई मतलब नहीं रहेगा। भारत सरकार को चाहे गोपनीय

तरीके से या सार्वजनिक रूप से बांग्लादेशी हिंदुओं के लिए कदम उठाना चाहिए। अगर अब कार्रवाई नहीं हुई तो हिंदुओं का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा।" उन्होंने आगे कहा, "सिर्फ नारेबाजी और भाषणबाजी से बांग्लादेशी हिंदुओं की रक्षा नहीं होगी। यही समय है कि भारत सरकार उनकी सुरक्षा के लिए विश्व स्तर पर आवाज उठाए। अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों की जगह हिंदुओं को भारत में सुरक्षित स्थान दिया जाना चाहिए।" बता दें कि बांग्लादेश में हाल ही में दो हिंदुओं – दीपू चंद्र दास और अमृत मंडल – की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या की गई है। इस घटना ने अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है और भारत में भी इस पर गंभीर प्रतिक्रिया सामने आई है।

विज्ञान और धर्म के बीच कोई टकराव नहीं, दोनों का लक्ष्य एक ही; क्या बोले मोहन भागवत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने विज्ञान और धर्म को लेकर अहम बयान दिया है। शुक्रवार को तिरुपति में आयोजित भारतीय विज्ञान सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विज्ञान और धर्म के बीच किसी तरह का संघर्ष नहीं है। दोनों भले ही अलग-अलग रास्तों से चलते हों, लेकिन अंततः उनका उद्देश्य एक ही सत्य की खोज करना है। भागवत ने कहा कि धर्म को अक्सर मजहब के रूप में गलत तरीके से समझ लिया जाता है, जबकि वास्तव में धर्म सृष्टि के संचालन का विज्ञान है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, "धर्म कोई मजहब नहीं है। यह वह नियम है, जिसके अनुसार पूरी सृष्टि चलती है। कोई इसे माने या न माने, लेकिन इसके दायरे से बाहर कोई भी कार्य संभव नहीं है।" भागवत ने यह भी कहा कि जब धर्म में असंतुलन आता है, तो उसका परिणाम विनाश के रूप में सामने आता है। आरएसएस प्रमुख

ने यह भी उल्लेख किया कि ऐतिहासिक रूप से विज्ञान ने यह सोचकर धर्म से दूरी बनाए रखी कि वैज्ञानिक अनुसंधान में उसका कोई स्थान नहीं है, लेकिन यह दृष्टिकोण मूल रूप से गलत है। उनके अनुसार, विज्ञान और अध्यात्म के बीच अंतर केवल पद्धति का है, लक्ष्य का नहीं।

भाषा, विज्ञान और धर्म पर क्या बोले भागवत

मोहन भागवत ने कहा कि भारतीय भाषाएं विज्ञान और धर्म के गहरे सार को बेहतर ढंग से व्यक्त करने में सक्षम हैं। उन्होंने जोर दिया कि वैज्ञानिक ज्ञान को आम जनता तक पहुंचाने के लिए मातृभाषाओं का अधिक से अधिक उपयोग किया जाना चाहिए। वैश्विक चुनौतियों, विशेष रूप से पर्यावरणीय संकटों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत को दुनिया को वैज्ञानिक और धार्मिक दोनों दृष्टिकोण प्रदान करने की जरूरत है।

भागवत ने कहा कि भारत को आर्थिक और रणनीतिक रूप से मजबूत बनना चाहिए, लेकिन केवल महाशक्ति बनने के बजाय "विश्व गुरु" बनने का लक्ष्य रखना चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत मानवता को एक नई दृष्टि और नई शक्ति दे सकता है, जिससे राष्ट्र मिलकर सृष्टि के संरक्षक के रूप में सहयोग और संतुलन के साथ आगे बढ़ सकें।

पाकिस्तान के मन से अब तक नहीं गया ऑपरेशन सिंदूर का डर, सीमा पर लगाए एंटी-ड्रोन सिस्टम

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने पाकिस्तान पर किए गए हवाई हमलों में उसे बुरी तरह पराजित किया था। उस हार का भय पाकिस्तान के मन से अब तक नहीं गया है। इसी डर के चलते पाकिस्तान ने एलओसी के पास एंटी-ड्रोन सिस्टम की तैनाती बढ़ा दी है ताकि भारत द्वारा संभावित अगले हवाई हमले के समय उसे कुछ सोचने-समझने का समय मिल सके। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के चीनी एंट्री ड्रोन सिस्टम पूरी तरह विफल रहे थे और भारत ने जहां चाहे, वहां हमला कर बड़े नुकसान पहुंचाए थे। 'इंडिया टुडे' की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान ने एलओसी के पास पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के रावलकोट, कोटली और भीमबर सेक्टर में नए काउंटर अनमैन्ड एरियल सिस्टम (C-UAS) लगाए हैं। पाकिस्तान ने कुल 30 डेडीकेटेड एंटी-ड्रोन सिस्टम्स तैनात किए हैं। इन सिस्टमों के जरिए पाकिस्तान अपने एयरस्पेस की सुरक्षा बढ़ाने में जुटा है। पाकिस्तानी सेना ने इलेक्ट्रॉनिक और काइनेटिक काउंटर यूएएस

सिस्टम का मिक्स लगाया है। बताया जा रहा है कि यह दस किलोमीटर की दूरी तक आने वाले छोटे या बड़े ड्रोन का पता लगा सकता है। इसके अलावा पाकिस्तान सफराह एंटी यूएवी जैमिंग गन का भी इस्तेमाल करता है, जिसे कंधे से चलाया जा सकता है और डेढ़ किलोमीटर की रेंज में आने वाले ड्रोन को मार गिराया जा सकता है।

ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है

अप्रैल में पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला करके कई पर्यटकों की जान ले ली थी। इसके बाद भारत ने मई की शुरुआत में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया और पीओके से पाकिस्तान तक, लश्कर-ए-तैयबा और जैश जैसे आतंकियों के ठिकानों पर हवाई हमले किए। इसमें बड़ी संख्या में आतंकी मारे गए। पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई की और जम्मू-कश्मीर से गुजरात तक सीमा इलाकों में तुर्की ड्रोन के जरिए हमले की नाकाम कोशिश की। भारत ने फिर कई पाकिस्तानी एयरबेस को तबाह कर जवाब दिया। हालांकि, बाद में दोनों देशों के बीच युद्धविराम की घोषणा हुई, लेकिन भारत ने स्पष्ट कर दिया कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। अगर पाकिस्तान की ओर से आगे कोई भी हमला किया गया तो इसे 'एक्ट ऑफ वॉर' माना जाएगा। यह कदम दर्शाता है कि भारत अपनी सुरक्षा तैयारियों और हवाई क्षमता के मामले में पूरी तरह चौकन्ना है, जबकि पाकिस्तान अभी भी ऑपरेशन सिंदूर की छाया में डर के माहौल में सीमाओं पर अतिरिक्त सुरक्षा उपाय कर रहा है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

रहमान की बांग्लादेश वापसी भारत के लिए मिश्रित संकेत

तारिक रहमान की बांग्लादेश वापसी को भारत के लिए एक ऐसे घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें अवसर और आशंकाएं दोनों एक साथ मौजूद हैं। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान करीब 17 साल के लंबे वनवास के बाद स्वदेश लौट आए हैं। उनकी वापसी को केवल व्यक्तिगत वापसी नहीं, बल्कि बांग्लादेश की सक्रिय राजनीति में उनकी पूर्ण एंट्री माना जा रहा है। माना जा रहा है कि वे 12 फरवरी को होने वाले आम चुनावों में हिस्सा लेंगे और बीएनपी के भीतर उन्हें प्रधानमंत्री पद का सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है। राजनीतिक दृष्टि से देखा जाए तो रहमान की वापसी बांग्लादेश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूती दे सकती है। लंबे समय से एकछत्र शासन और चुनावी विवादों से जूझ रहे बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन की संभावना लोकतंत्र के लिए सकारात्मक मानी जा सकती है। भारत के लिए भी एक स्थिर और लोकतांत्रिक पड़ोसी देश हमेशा हितकारी रहा है। रहमान ने स्वदेश लौटते ही यह संकेत दिया है कि उनकी विदेश नीति "बांग्लादेश पहले" के सिद्धांत पर आधारित होगी। उन्होंने यह भी कहा कि न दिल्ली, न इस्लामाबाद—बल्कि राष्ट्रीय हित उनकी प्राथमिकता होंगे। इस बयान को भारत में एक सकारात्मक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, इस तस्वीर का दूसरा पहलू भी उतना ही चिंताजनक है। तारिक रहमान की राजनीति के साथ कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी की संभावित मजबूती की आशंका भी जुड़ी हुई है। अतीत में बीएनपी और जमात के गठबंधन ने भारत-बांग्लादेश संबंधों में तनाव बढ़ाया था। यदि रहमान की वापसी से जमात-ए-इस्लामी का प्रभाव फिर से बढ़ता है, तो इससे न केवल बांग्लादेश के भीतर राजनीतिक अस्थिरता बढ़ सकती है, बल्कि भारत की सुरक्षा चिंताएं भी गंभीर हो सकती हैं। खासकर सीमावर्ती इलाकों में कट्टरपंथी गतिविधियों और अल्पसंख्यकों पर हमलों का खतरा बढ़ सकता है। 2008 में भ्रष्टाचार और अन्य मामलों के आरोपों के बाद तारिक रहमान लंदन चले गए थे। शेख हसीना सरकार के पतन के बाद अदालतों द्वारा उन्हें बरी किए जाने से उनकी वापसी का रास्ता साफ हुआ। लेकिन शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस के कार्यकाल में भारत-बांग्लादेश संबंधों में जो ठंडापन आया है, उसने भारत की चिंता बढ़ा दी है। यूनुस सरकार के दौरान पाकिस्तान से नजदीकियां बढ़ी हैं, जबकि भारत से दूरी साफ दिखाई देती है। इसी दौरान बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं पर हमलों की घटनाएं भी बढ़ी हैं और कट्टरपंथी ताकतें अधिक मुखर हुई हैं। ऐसे में भारत के सामने विकल्प सीमित नजर आते हैं। भले ही अतीत में बीएनपी के साथ भारत के रिश्ते सहज नहीं रहे हों, लेकिन मौजूदा हालात में भारत बीएनपी को अवामी लीग के बाद एक अपेक्षाकृत उदार और लोकतांत्रिक विकल्प के रूप में देख रहा है। भारत ने बीएनपी नेतृत्व से संवाद बनाए रखा है और खालिदा जिया की बीमारी पर सहानुभूति भी जताई है। उनके इलाज की पेशकश भी इसी कूटनीतिक संतुलन का हिस्सा मानी जा रही है। कयास लगाए जा रहे हैं कि यदि बीएनपी सत्ता में आती है तो वह भारत के साथ संतुलित रिश्ते बनाए रखने की कोशिश करेगी। रहमान के हालिया बयानों में पाकिस्तान से दूरी रखने के संकेत भी मिले हैं, जो भारत के लिए राहत की बात हो सकती है।

न्यूजीलैंड से निर्यात पर भारत की दृढ़ता

भारत की वैश्विक व्यापार नीति बीते कुछ वर्षों में एक स्पष्ट और आत्मविश्वासी दिशा में आगे बढ़ी है। विश्व कारोबार के पटल पर भारत की भूमिका अब केवल एक बड़े उपभोक्ता बाजार की नहीं रही, बल्कि एक ऐसे देश की बन चुकी है जो अपने राष्ट्रीय हितों, विशेषकर किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए अंतरराष्ट्रीय समझौते करता है। न्यूजीलैंड के साथ हाल ही में संपन्न मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) इसी नीति का एक ठोस उदाहरण है। इस समझौते में भारत ने स्पष्ट कर दिया कि कृषि और डेयरी क्षेत्र उसके लिए समझौते योग्य नहीं हैं। यह निर्णय केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और आजीविका से जुड़ा हुआ है।

दरअसल, वैश्विक स्तर पर कृषि और डेयरी उत्पादों का व्यापार केवल कीमतों का खेल नहीं है, बल्कि यह करोड़ों लोगों के जीवन, परंपरा और अस्तित्व से जुड़ा विषय है। भारत ने इससे पहले अमेरिका के साथ भी इसी मुद्दे पर सख्त रुख अपनाया था। अमेरिकी कृषि और डेयरी उत्पादों को भारतीय बाजार में प्रवेश देने से भारत ने साफ इनकार कर दिया था। इसका नतीजा यह हुआ कि तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाराजगी जाहिर की और भारत पर अतिरिक्त टैरिफ लगाए गए। इसके बावजूद भारत ने धैर्य और दूरदृष्टि से काम लेते हुए अपनी नीति नहीं बदली। अमेरिका की नाराजगी के बावजूद भारत ने ब्रिटेन, ओमान और अब न्यूजीलैंड के साथ अपनी शर्तों पर व्यापार समझौते किए, जिनमें किसान हितों की रक्षा को प्राथमिकता दी गई। दिसंबर 2025 में भारत और ओमान के बीच कॉम्प्रिहेन्सिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (सीपा) हुआ और अब न्यूजीलैंड के साथ नौ महीने तक चली बातचीत के बाद यह सहमति बनी कि इस एफटीए से कृषि और डेयरी उत्पादों को पूरी तरह बाहर रखा जाएगा। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि न्यूजीलैंड विश्व के प्रमुख दुग्ध उत्पादक देशों में से एक है और उसका दूध तथा उससे जुड़े उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेहद सस्ते माने जाते हैं। यदि ऐसे उत्पाद भारतीय बाजार में खुलकर आ जाते, तो देश के करोड़ों छोटे किसानों और दुग्ध उत्पादकों के लिए गंभीर संकट खड़ा हो सकता था। भारत की कृषि संरचना विकसित देशों से बिल्कुल अलग है। यहां खेती और पशुपालन बड़े कॉरपोरेट फार्मों पर आधारित नहीं, बल्कि छोटे और सीमांत किसानों, ग्रामीण परिवारों और पारंपरिक तरीकों पर टिकी हुई है। देश के बड़े हिस्से में आज भी खेती और पशुपालन प्रकृति पर निर्भर हैं। यही वजह है कि सस्ते आयातित कृषि या दुग्ध उत्पाद भारतीय किसानों की कमर तोड़ सकते हैं। न्यूजीलैंड या अमेरिका जैसे देशों में बड़े पैमाने पर मशीनीकरण, सब्सिडी और आधुनिक तकनीक के कारण उत्पादन लागत कम होती है। इसके उलट भारत में किसान और ग्वाले सीमित संसाधनों के सहारे उत्पादन करते हैं। यदि इन सस्ते विदेशी उत्पादों को खुली छूट मिल जाती, तो भारतीय किसान अपनी उपज बेचने में असमर्थ हो जाते और उनकी आजीविका पर सीधा खतरा पैदा हो जाता। न्यूजीलैंड के साथ हुए समझौते की खास बात यह है कि भारत ने डेयरी और कृषि को बाहर रखते हुए अन्य क्षेत्रों में व्यापार के नए अवसर खोले हैं। भारत न्यूजीलैंड से सेब, कीवी, शहद और वाइन जैसे उत्पाद आयात करेगा। इन उत्पादों पर टैरिफ में भी उल्लेखनीय

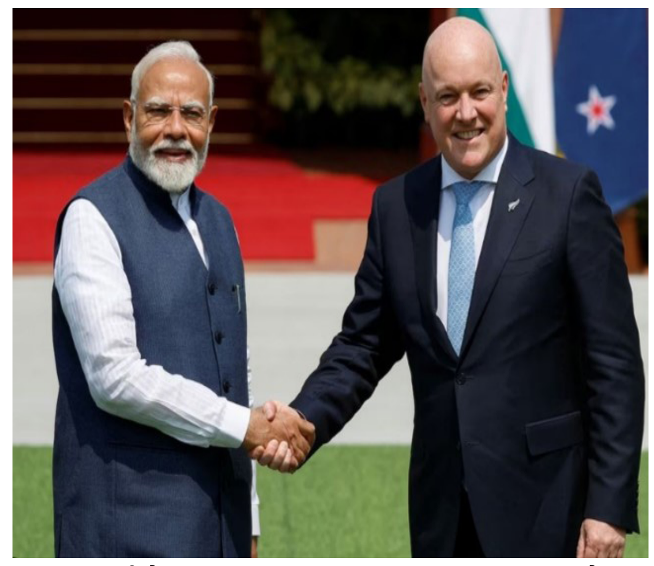

राहत दी गई है। इसके बदले न्यूजीलैंड ने भारत को तकनीकी सहयोग देने पर सहमति जताई है, विशेषकर सेब, कीवी और डेयरी क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ाने के लिए। इसका अर्थ यह है कि भारत केवल आयात तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आधुनिक तकनीक और ज्ञान के जरिए अपने उत्पादन को और बेहतर बना सकेगा। यह एक संतुलित और दूरदर्शी समझौता है, जिसमें बाजार खोलने के साथ-साथ घरेलू हितों की रक्षा भी सुनिश्चित की गई है। भारत का डेयरी क्षेत्र केवल एक आर्थिक गतिविधि नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का अहम हिस्सा है। भारतीय ऋषियों ने सदियों पहले यह जाना था कि गाय का दूध शरीर और मस्तिष्क दोनों के लिए पोषक होता है। दूध से बनने वाले दही, मठा, मक्खन और घी जैसे उत्पाद भारतीय भोजन, परंपरा और स्वास्थ्य का अभिन्न अंग हैं। यही नहीं, इन सह-उत्पादों के जरिए मिठाई उद्योग से लेकर डेयरी उद्योग तक करोड़ों लोगों को रोजगार मिलता है। लंबे समय तक भारतीय कृषि बैलों पर निर्भर रही, जो दूध देने वाली गायों और भैंसों से ही आते थे। आज भी कृषि और पशुपालन मिलकर देश की जीडीपी में लगभग 24 प्रतिशत का योगदान करते हैं। भारत दुनिया में दूध उत्पादन और दूध उपभोग दोनों में पहले स्थान पर है। यही वजह है कि वैश्विक दुग्ध उत्पादक देशों की नजर भारतीय बाजार पर टिकी रहती है। अमेरिका लंबे समय से अपने यहां उत्पादित मांसाहारी दूध और उससे बने उत्पादों को भारत में बेचना चाहता रहा है। कई यूरोपीय देश और न्यूजीलैंड भी इसी कोशिश में रहे हैं। अमेरिका और भारत के बीच 500 बिलियन डॉलर के व्यापार समझौते की चर्चा के दौरान भी अमेरिकी दुग्ध उत्पादों को सूची में शामिल करने का दबाव बनाया गया था। लेकिन भारत सरकार ने स्पष्ट शब्दों में कह दिया कि यह संभव नहीं है। यह फैसला केवल व्यापारिक नहीं, बल्कि किसानों की आजीविका और भारतीय संस्कृति की रक्षा से जुड़ा हुआ था।

भारतीय दुग्ध क्रांति की कहानी भी इस संदर्भ में बेहद महत्वपूर्ण है। 13 जनवरी 1970 को शुरू हुए 'ऑपरेशन फ्लड' ने भारत में श्वेत क्रांति की नींव रखी। यह न केवल भारत, बल्कि दुनिया के सबसे बड़े ग्रामीण विकास कार्यक्रमों में से एक माना जाता है। इस क्रांति ने भारतीय डेयरी उद्योग की तस्वीर बदल दी और लाखों किसानों की आर्थिक स्थिति में क्रांतिकारी सुधार किया। इससे पहले अंग्रेजी शासन के दौरान पोल्सन नाम की ब्रिटिश कंपनी का दूध खरीद पर एकाधिकार था, जो किसानों का भारी शोषण कर रही थी। किसानों की शिकायत सरदार वल्लभभाई पटेल तक पहुंची। पटेल ने किसानों को संगठित होकर कंपनी को दूध न बेचने का आह्वान किया और सहकारी संस्था बनाने की सलाह दी। 1946 में सरदार पटेल, मोरारजी देसाई और त्रिभुवन दास पटेल के प्रयासों से भारत की पहली दुग्ध सहकारी संस्था की स्थापना हुई। यही संस्था आगे चलकर जिला सहकारी दुग्ध उत्पादन संघ और फिर विश्व प्रसिद्ध 'अमूल' बनी। 250 लीटर प्रतिदिन के कारोबार से शुरू हुई यह संस्था आज वैश्विक पहचान रखती है। यह सहकारिता मॉडल ही है, जिसने भारत के डेयरी क्षेत्र को मजबूत आधार दिया और किसानों को बिचौलियों के शोषण से मुक्त किया। आज देश में दूध का लगभग 30 प्रतिशत कारोबार संगठित ढांचे के तहत डेयरियों के माध्यम से होता है। दूध उत्पादन से जुड़ी करीब 96 हजार सहकारी संस्थाएं देशभर में सक्रिय हैं। 14 राज्यों की अपनी दुग्ध सहकारी संस्थाएं हैं। हालांकि कुल कृषि और खाद्य प्रसंस्करण सुविधाएं अभी भी सीमित हैं, लेकिन दूध वह उत्पाद है जिसका सबसे अधिक प्रसंस्करण होता है। दही, मठा, घी, मक्खन, मावा, पनीर जैसे उत्पादों के जरिए यह उद्योग आठ करोड़ से अधिक लोगों की आजीविका का आधार बना हुआ है। करीब डेढ़ करोड़ परिवार सीधे सहकारी दुग्ध उत्पादन से जुड़े हैं, जबकि आज भी लाखों ग्रामीण परिवार इस दायरे से बाहर हैं।

इस पूरे तंत्र में ग्रामीण महिलाओं की भूमिका बेहद अहम है। रोजाना देश के दो लाख से अधिक गांवों से दूध एकत्र कर डेयरियों तक पहुंचाया जाता है। शहरी और कस्बाई क्षेत्रों में भी दूध और दुग्ध उत्पादों की आपूर्ति बड़े पैमाने पर ग्रामीण उत्पादकों के जरिए होती है। यही कारण है कि यदि विदेशी दुग्ध उत्पादों के लिए भारतीय बाजार खोल दिया जाता, तो इसका सीधा असर इन करोड़ों लोगों की आजीविका पर पड़ता। सहकारी संस्थाओं की संरचना कमजोर होती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गहरा झटका लगता। इसी खतरे को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने हाल के वर्षों में सहकारिता को मजबूत करने पर जोर दिया है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कुछ माह पहले दस हजार नई कृषि सहकारी समितियों को मंजूरी दी है। अगले पांच वर्षों में इनकी संख्या दो लाख तक पहुंचाने का लक्ष्य है। इन समितियों के जरिए कृषि और दुग्ध उत्पादों को न केवल देश में, बल्कि एशिया और यूरोप के बाजारों तक पहुंचाने की तैयारी है। ऐसे में यदि विदेशी सस्ते उत्पाद भारतीय बाजार में आ जाते, तो इन प्रयासों पर पानी फिर सकता था। न्यूजीलैंड के साथ एफटीए में कृषि और डेयरी को बाहर रखकर भारत ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि वह वैश्वीकरण के नाम पर अपने किसानों की बलि नहीं देगा। यह समझौता भारत की उस नई व्यापार नीति का प्रतीक है, जिसमें "खुलापन" और "संरक्षण" के बीच संतुलन साधा गया है। भारत ने दिखा दिया है कि वह अंतरराष्ट्रीय दबावों के आगे झुकने के बजाय अपनी शर्तों पर समझौते कर सकता है। यही वजह है कि आज विश्व कारोबार पटल पर भारत की साख लगातार मजबूत हो रही है और उसे एक जिम्मेदार, दूरदर्शी और आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के रूप में देखा जा रहा है।

नन्हे मन का मौन: मासूम बच्चों के भीतर पनपते दर्द और आत्महत्या के बढ़ते ख़तरे को समझने में हमारी नाकामी

-आर्थिक तरक़्क़ी के शोर में बच्चों की भावनाएँ दब रहीं; घर–स्कूल–समाज सबके स्तर पर संवेदनशील संवाद और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना वक़्त की मांग

आज का यह दौर जितना तरक़्क़ीयाफ़्ता लगता है, उतना ही भीतर से टूटता हुआ भी दिखाई देता है। हम इमारतें ऊँची बना रहे हैं, तकनीक को दिन-ब-दिन तेज़ कर रहे हैं, दुनिया को आसान बनाते जा रहे हैं; लेकिन हमारे घरों, स्कूलों और समाज के भीतर एक गहरी ख़ामोशी पनप रही है—वह ख़ामोशी जो मासूम बच्चों के दिल में दबे दर्द की आवाज़ है। बीते दिनों जयपुर के एक निजी स्कूल में चौथी कक्षा की एक बच्ची ने आत्महत्या कर ली। देश इस ख़बर से सदमे में था ही कि अगले ही कुछ दिनों में अन्य छोटे बच्चों की आत्महत्या की खबरें सामने आईं। यह सिर्फ़ घटनाएँ नहीं हैं, बल्कि एक बड़ा सवाल हैं—क्यों इतने छोटे-छोटे बच्चे, जो अभी दुनिया को समझने की शुरुआत ही कर रहे होते हैं, अपनी जीवनलीला समाप्त करने जैसे कठोर फ़ैसले तक पहुँच जाते हैं? हम इस सच से जितना भी मुँह मोड़ने की कोशिश करें, हक़ीक़त यही है कि हम अपने बच्चों को समझने में, उनकी भावनाओं को पढ़ने में और उनकी ख़ामोशी को सुनने में बुरी तरह असफल रहे हैं।

बच्चा आखिर "मृत्यु" को कैसे समझता है?

अधूरी समझ भी बड़ा ख़तरा बन जाती है वयस्कों की तरह बच्चे मृत्यु की स्थायित्व को नहीं समझते। दुनियाभर के मनोवैज्ञानिक शोध बताते हैं कि— 5–7 वर्ष की उम्र तक बच्चा मृत्यु को "अस्थायी" या "वापस लौट आने वाली" घटना समझता है। 7–10 वर्ष की उम्र में वह इसे तकलीफ़ से भागने का रास्ता, डांट से बचने का तरीका या असफलता से पीछा छुड़ाने जैसा मान सकता है। यानी बच्चा यह नहीं जानता कि यह निर्णय ज़िंदगी के हर दरवाज़े को हमेशा के लिए बंद कर देता है। और यही अधूरी समझ—अपनी छोटी-छोटी परेशानियों को हल करने के चक्कर में—उसे सबसे खतरनाक कदम तक ले जा सकती है। अमरीकन एकेडमी ऑफ़ पीडियाट्रिक्स ने भी चेतावनी दी है कि— बच्चों में आत्मघाती विचारों की दर तेज़ी से बढ़ रही है। प्राइमरी क्लासेस के बच्चों तक में जोखिम बढ़ने लगा है। स्कूलों में भावनात्मक मूल्यांकन और मानसिक स्वास्थ्य सहायता अब "विकल्प" नहीं, बल्कि "ज़रूरत" हो चुके हैं। यह चेतावनी इसलिए भी अहम है क्योंकि यह हमें बताती है कि ख़तरा कहीं बाहर नहीं—हमारे ही घरों में, हमारे ही बच्चों के भीतर मौजूद है।

नन्हा मन बोलता है—पर हम सुनते नहीं

बच्चा अपने दुख को बड़ों की तरह शब्दों में नहीं कह सकता। वह टूटता है, पर चुप रहता है। वह डरता है, पर कह नहीं पाता। वह रोना चाहता है, पर हंसने को मजबूर होता है। हम उसे कहते हैं— "इतनी सी बात पर रोते हो?" "डरने की क्या बात है?" "तुम तो बहुत बड़े हो गए हो!" "ये कोई परेशानी है?" "और बच्चों को देखो... कितना सहते हैं!" इन जुमलों से बच्चा एक बात सीख जाता है— "मेरी तकलीफ़ कोई मायने नहीं रखती।" धीरे-धीरे उसका दर्द "अहमियतहीन" बन जाता है... और उसकी ख़ामोशी "ख़तरा"।

घर का दबाव – प्यार के नाम पर अनजाने में की जाने वाली ज़्यादतियाँ

हर घर में कुछ बातें आम होती हैं— पढ़ाई का दबाव, तुलना, डांटना, छोटी गलतियों पर भी सज़ा, मोबाइल से दूर रहने की जबरन पाबंदियाँ, माता-पिता की लड़ाई, आर्थिक तनाव, सख़्त अनुशासन, माता-पिता हमेशा बुरे इरादे से ऐसा नहीं करते, लेकिन बच्चे की नज़र में यह सब कुछ "बहुत भारी" हो जाता है। दिल में चाहे कितना ही प्यार क्यों न हो, अगर रिश्ता संवादहीन हो जाए तो बच्चा खुद को अकेला समझने लगता है।

स्कूल का दबाव – रैंक, रिपोर्ट कार्ड और रिज़ल्ट की बेड़ियाँ

आज का स्कूल सिस्टम बच्चों पर बोझ बन गया है। रिज़ल्ट, रैंक, होमवर्क, परफॉर्मेंस, कंपटीशन, टीचर की डांट, साथियों की तुलना, छोटा बच्चा हर दिन एक ऐसी दौड़ में धकेला जाता है, जिसे वह समझता भी नहीं। कई बच्चे तो सिर्फ़ इसलिए टूट जाते हैं क्योंकि— "मैडम नाराज़ हो जाएँगी" या "मम्मी-पापा disappointment हो जाएँगे" इसी डर में वे भीतर-ही-भीतर घुटते रहते हैं।

सोशल मीडिया और डिजिटल दुनिया – मासूम दिमाग़ पर एक अदृश्य हमला

आज 8–10 साल के बच्चे तक मोबाइल, वीडियो गेम, सोशल मीडिया, ऑनलाइन तुलना, हिंसक कंटेंट के बीच बड़े हो रहे हैं। ये चीज़ें उनके दिमाग़ को बेचैन, अकेला, आक्रामक और इमोशनली कमजोर बना देती हैं। अक्सर बच्चे स्क्रीन के ज़रिए एक "काल्पनिक दुनिया" बना लेते हैं, और जब असल दुनिया उससे मैच नहीं करती तो वे टूट जाते हैं।

बच्चे की ख़ामोशी किन संकेतों में बदलती है?

माता-पिता को किन बातों पर तुरंत ध्यान देना चाहिए किसी भी बच्चे में अगर ये संकेत दिखें, तो इसे हल्का बिल्कुल न लें—
अचानक चुप हो जाना: पहले बातूनी बच्चा अगर अचानक शांत हो जाए, तो यह "अलार्म" है।
पढ़ाई में गिरावट: बच्चा पढ़ने वाला हो और अचानक सब कुछ बिगड़ने लगे, तो यह सिर्फ आलस नहीं होता।

भूख-सोने की आदतों में बदलाव, ग़ुस्सा या चिढ़चिढ़ापन बढ़ जाना, दोस्तों से दूरी बनाना

बार-बार बोलना— "मैं अच्छा नहीं हूँ", "सब नाराज़ हैं मुझसे", "मुझे कुछ नहीं आता" बार-बार डर, चिंता या उदासी अपने सामान को बांटना या "अलविदा" जैसा व्यवहार ये सभी लक्षण संकेत देते हैं कि बच्चा अंदर ही अंदर किसी बड़ी उलझन में फँसा हुआ है।

हम कहाँ ग़लत हो रहे हैं?

समाज और परिवार की सामूहिक नाकामी हमारी असल ग़लती यह है कि— हम बच्चों को अपने हिसाब से ढालना चाहते हैं, लेकिन उनके हिसाब से समझना नहीं चाहते। हम मानकर चलते हैं कि— बच्चा मजबूत है, बच्चा भूल जाएगा बच्चा छोटा है, इसे क्या समझ, बच्चा रोता है तो ड्रामा करता है, बच्चों की परेशानी बच्चों जैसी ही होती है, लेकिन यह सोच ही सबसे बड़ा धोखा है। बच्चा छोटा है— पर दिल उसका भी होता है। दर्द वह भी महसूस करता है। हमें बच्चों की भावनाओं को "हल्का" समझना बंद करना होगा।

सात दशकों बाद भारत में चीते की वापसी, कूनो में जन्मे शावकों ने संरक्षण प्रयासों को दिलाई ऐतिहासिक सफलता

-अंतरराष्ट्रीय चीता दिवस पर प्रोजेक्ट चीता ने दिखाया भारत में आत्मनिर्भर वन्यजीव भविष्य का भरोसा

वर्ष 2025 के अंत तक भारत में चीतों की संख्या 32 तक पहुंच जाना, और उनमें से 21 शावकों का यहीं भारतीय धरती पर जन्म लेना—यह खबर मात्र एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह भारत के वन्यजीव संरक्षण इतिहास की सबसे बड़ी उपलब्धियों में शामिल हो चुकी है। जब आज हम अंतरराष्ट्रीय चीता दिवस (4 दिसम्बर) मना रहे हैं, उसी समय मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान से आई यह सुखद सूचना पूरे देश को आश्वस्त करती है कि चीता पुनर्वास कार्यक्रम सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारतीय जमीन पर जन्म लेने वाली पहली चीता मुखी द्वारा पांच स्वस्थ शावकों को जन्म देना महज एक जैविक घटना नहीं, बल्कि उस लंबे संघर्ष और धैर्य का परिणाम है, जो सात दशकों तक चला। यह घटना उस खालीपन को भरती है, जो 1952 में भारत से चीते के औपचारिक रूप से विलुप्त घोषित होने के बाद बना था। आज यह विश्वास दृढ़ होता दिख रहा है कि सुनियोजित संरक्षण, वैज्ञानिक प्रबंधन और निरंतर निगरानी के बल पर भारत में एक आत्मनिर्भर और आनुवंशिक रूप से सक्षम चीता आबादी तैयार की जा सकती है।

भारतीय इतिहास में चीता: रफ्तार का शहंशाह

कभी चीता भारतीय उपमहाद्वीप के विस्तृत भूभाग में पाया जाता था। राजस्थान की घासभूमि, मध्य भारत के खुले वन, दक्कन का पठार और उत्तर भारत के शुष्क इलाके—ये सभी चीते के प्राकृतिक आवास थे। मुगलकालीन चित्रों और साहित्य से पता चलता है कि चीते न सिर्फ जंगलों में, बल्कि राजदरबारों की संस्कृति का भी हिस्सा थे। शिकार के लिए प्रशिक्षित चीतों का इस्तेमाल किया जाता था, जिससे उनकी संख्या पहले ही दबाव में आने लगी थी। इसके बाद ब्रिटिश काल में बड़े पैमाने पर शिकार, जंगलों की अंधाधुंध कटाई और घासभूमि को खेती व बस्तियों में बदलने की प्रक्रिया ने चीते के अस्तित्व पर अंतिम प्रहार किया। शिकार प्रजातियों का खत्म होना और इंसानी दखल बढ़ना इसकी सबसे बड़ी वजह बने। नतीजा यह हुआ कि 20वीं सदी के मध्य तक चीता भारत से लगभग गायब हो गया और 1952 में इसे आधिकारिक तौर पर विलुप्त घोषित कर दिया गया।

विलुप्ति से वापसी तक का सफर

चीते के विलुप्त होने के बाद भी समय-समय पर इसके पुनर्वास की कोशिशें होती रहीं। 1970 और 80 के दशक में ईरान से चीते लाने के प्रयास किए गए, लेकिन राजनीतिक परिस्थितियों और तकनीकी सीमाओं के चलते वे सफल नहीं हो सके। इसके बावजूद वैज्ञानिकों और वन्यजीव संरक्षण विशेषज्ञों का यह विश्वास बना रहा कि भारत का पारिस्थितिकी तंत्र अब भी चीते को अपनाने की क्षमता रखता है। इसी सोच के चलते 21वीं सदी में एक बार फिर गंभीर प्रयास शुरू हुए। लंबा अध्ययन, वैज्ञानिक रिपोर्ट, सुप्रीम कोर्ट की अनुमति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग—इन सभी के बाद 2022 में प्रोजेक्ट चीता अस्तित्व में आया। यह न सिर्फ भारत, बल्कि दुनिया का पहला इंटरकॉन्टिनेंटल वाइल्ड-टु-वाइल्ड ट्रांसलोकेशन मिशन बना।

प्रोजेक्ट चीता: एक साहसिक पहल

17 सितम्बर 2022 को नामीबिया से लाए गए आठ अफ्रीकी चीतों—पांच मादा और तीन नर—को मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में छोड़ा गया। यह दिन भारतीय वन्यजीव संरक्षण के इतिहास में मील का पत्थर साबित हुआ। इसके बाद फरवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका से 12 और चीतों को भारत लाया गया, जिससे चीता आबादी की नींव और मजबूत हुई। प्रोजेक्ट चीता का उद्देश्य केवल चीते को वापस लाना भर नहीं था, बल्कि एक ऐसा इको सिस्टम खड़ा करना था, जिसमें घासभूमि, खुले वन, शिकार प्रजातियां और स्थानीय समुदाय—सब मिलकर संतुलन में रहें। यह परियोजना इस सोच पर आधारित थी कि शीर्ष शिकारी (Apex Predator) के रूप में चीता की मौजूदगी पूरे पारिस्थितिक तंत्र को स्वस्थ बनाती है।

कूनो: नई उम्मीदों की धरती

मध्य प्रदेश का कूनो राष्ट्रीय उद्यान इस ऐतिहासिक प्रयोग का केंद्र बना। यहां का भौगोलिक स्वरूप, घासभूमि का फैलाव और हिरन, चीतल, सांभर जैसी शिकार प्रजातियों की उपलब्धता चीते के लिए अनुकूल मानी गई। शुरुआती दौर में चुनौतियां भी सामने आईं—कुछ चीतों की मृत्यु, स्थानांतरण का तनाव और व्यवहार संबंधी समस्याएं—but हर चुनौती से सीख लेते हुए प्रबंधन व्यवस्था को और बेहतर बनाया गया। रेडियो कॉलर, ड्रोन निगरानी, विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम और 24 घंटे की मॉनिटरिंग—इन सबने मिलकर चीता पुनर्वास को मजबूती दी। समय के साथ चीते कूनो के वातावरण में घुलने-मिलने लगे और अब स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप अपने व्यवहार को ढाल चुके हैं।

भारतीय धरती पर जन्म: एक ऐतिहासिक क्षण

कूनो में पहली बार चीता मुखी द्वारा पांच शावकों का जन्म इस परियोजना की सबसे बड़ी सफलता मानी जा रही है। यह प्रमाण है कि चीते न सिर्फ जीवित रह पा रहे हैं, बल्कि सुरक्षित माहौल में प्रजनन भी कर रहे हैं। यही किसी भी पुनर्वास कार्यक्रम की असली कसौटी होती है। इन शावकों का जन्म यह संदेश देता है कि भारत में चीते के लिए भविष्य है। अब यह सिर्फ बाहर से लाए गए जानवरों की कहानी नहीं रही, बल्कि यह एक स्वदेशी पीढ़ी की शुरुआत है। 2025 तक 21 शावकों का जन्म यह दिखाता है कि चीता आबादी आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही है।

पारिस्थितिकी तंत्र में चीते की भूमिका

चीता केवल एक खूबसूरत और तेज़ जानवर नहीं है, बल्कि वह पर्यावरण संतुलन का अहम स्तंभ भी है। यह मध्यम आकार के शाकाहारी जीवों की संख्या को नियंत्रित करता है, जिससे घासभूमि और वनस्पति पर अत्यधिक दबाव नहीं पड़ता। परिणामस्वरूप पूरा इको सिस्टम अधिक संतुलित और स्वस्थ बनता है। घासभूमि संरक्षण अपने-आप में एक बड़ा मुद्दा है, जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। चीते की मौजूदगी से घासभूमि को नई पहचान मिलती है और उसके संरक्षण की जरूरत समझ में आती है। जैव विविधता बढ़ती है और अन्य प्रजातियों को भी लाभ मिलता है।

स्थानीय समुदाय और सामाजिक लाभ

प्रोजेक्ट चीता का एक अहम पहलू स्थानीय समुदायों को साथ लेकर चलना है। कूनो क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए यह परियोजना नई आजीविका के अवसर लेकर आई है—चाहे वह पर्यटन हो, गाइड सेवा हो या संरक्षण से जुड़े रोजगार। साथ ही लोगों में वन्यजीव संरक्षण को लेकर जागरूकता भी बढ़ रही है। यह समझ पनप रही है कि जंगल और जानवर बोझ नहीं, बल्कि भविष्य की संपत्ति हैं। जब स्थानीय लोग संरक्षण के भागीदार बनते हैं, तभी कोई भी परियोजना लंबे समय तक सफल हो सकती है।

हस्तशिल्पियों को कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार के नए अवसर दे रही राज्य सरकार - भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश की 8 करोड़ जनता का कल्याण सर्वोपरि है तथा प्रदेशवासियों की सेवा की प्राथमिकता के साथ हमारी सरकार नई-नई नीतियां एवं योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है। उन्होंने कहा कि हमने संकल्प पत्र में जो वादे किए थे, हमारी सरकार आने पर उसमें से 70 प्रतिशत वादों को पूरा किया जा चुका है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रत्येक जरूरतमंद तक पहुंचाएं। शर्मा शुक्रवार को जोधपुर में पश्चिमी राजस्थान उद्योग हस्तशिल्प उत्सव-2026 के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लघु उद्योग भारती राष्ट्रप्रथम की विचारधारा एवं लोकसेवा की भावना के साथ कार्य कर रही है। संस्थान द्वारा आयोजित इस उत्सव से पश्चिम राजस्थान का क्षेत्र हस्तशिल्प उद्योग का वैश्विक केन्द्र बन सकेगा।

हस्तशिल्पियों ने परंपरा और पहचान का किया संरक्षण-

मुख्यमंत्री ने कहा कि हस्तशिल्प उद्योग ग्रामीण भारत के सशक्तीकरण का माध्यम है तथा इन्होंने परंपरा और पहचान का संरक्षण किया है। यह श्रमिकों, महिलाओं, युवाओं और गरीबों के स्वावलंबन का माध्यम भी बना है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने हस्तशिल्पियों के कल्याण को सर्वोपरि माना है तथा उन्हें कौशल प्रशिक्षण देते हुए नए मार्केट लिंकेज दिए जा रहें हैं जिससे वे अपने उत्पादों को उचित दाम पर बेच सकें। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने हस्तशिल्पियों को सहायता देने के लिए 1,197 दस्तकारों को परिचय पत्र जारी किए हैं। राज्य सरकार द्वारा बुनकर पुरस्कार योजना, बाजार सहायता योजना एवं चर्म प्रशिक्षण योजना से विभिन्न हस्तशिल्पियों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। साथ ही, माटी

कला कामगारों को निःशुल्क इलेक्ट्रिक चाक व मिट्टी गूंथने की मशीनें भी दी गई हैं।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत का सपना हो रहा साकार-

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार कर रहे हैं। राजीविका के माध्यम से महिलाओं को सशक्त किया जा रहा है। अब तक प्रदेश में 19 लाख से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी योजना के माध्यम से प्रशिक्षण देकर 12 लाख से ज्यादा लखपति दीदी बनायी गई हैं। साथ ही, अब वे मिलेनियर भी बनने जा रही हैं। उन्होंने कहा कि रोजगार सृजन कार्यक्रम एवं औद्योगिक प्रोत्साहन शिविरों से रोजगार को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी तरह पीएम विश्वकर्मा योजना में 21 लाख 73 हजार व्यक्तियों ने ऑनलाइन पंजीकरण करवाया है। योजना के तहत 54 हजार 202 लाभार्थियों को ऋण स्वीकृत कर लाभार्थियों को ऋण उपलब्ध कराया गया। कारपेंटर, मूर्तिकार, कुम्हार, राजमिस्त्री सहित 18 ट्रेड्स के दस्तकारों को 5 प्रतिशत ब्याज पर ऋण के साथ 2 प्रतिशत अतिरिक्त अनुदान दिया जा रहा है।

अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए 28 नवीन नीतियां जारी-

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा गत वर्ष आयोजित हुए राइजिंग राजस्थान में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हुए। जिसमें से 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के प्रोजेक्ट्स की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है। उन्होंने कहा कि हम युवाओं को 5 साल में सरकारी क्षेत्र में 4 लाख तथा निजी क्षेत्र में 6 लाख रोजगार के अवसरों का सृजन करने के लक्ष्य के साथ काम कर रहे हैं। अब तक 92 हजार पदों पर सरकारी नियुक्तियां दी जा चुकी हैं। 1 लाख 53 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है। साथ ही, निजी क्षेत्र में 2.50 लाख से अधिक रोजगार के अवसर दिए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए हमने 28 नवीन नीतियां जारी की हैं।

एमएसएमई क्षेत्र में हुए उल्लेखनीय कार्य-

शर्मा ने कहा कि उद्योगों को प्रोत्साहन के लिए राज उद्योग मित्र पोर्टल पर 3,266 एमएसएमई उद्यमों को प्राप्ति प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं। साथ ही, राजस्थान एमएसएमई नीति- 2024 को 8 दिसम्बर, 2024 को अधिसूचित किया गया। मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना के 7 हजार 186 आवेदकों को 1946.84 करोड़ रुपये ऋण वितरण और 436.82 करोड़ रुपये का ब्याज अनुदान दिया गया। उन्होंने कहा कि रीको द्वारा 31 औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना के लिए 2,862 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई। जोधपुर के बोरानाड़ा विस्तार क्षेत्र में 161.75 एकड़ पर हैंडीक्राफ्ट और फर्नीचर पार्क विकसित किया गया तथा चित्तौड़गढ़ और बीकानेर में दो प्रमुख सिरेमिक जोन विकसित किए जा रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पर्यटन, कला एवं संस्कृति विभाग की ओर से किये जा रहें विकास कार्यों की ली समीक्षा बैठक

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन, कला एवं संस्कृति मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में शुक्रवार को राजस्थान धरोहर प्राधिकरण ओंकार सिंह लखावत, अतिरिक्त मुख्य सचिव पर्यटन प्रवीण गुप्ता, अतिरिक्त निदेशक पर्यटन आनंद त्रिपाठी, राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रामरतन शर्मा की उपस्थिति में शासन सचिवालय में पर्यटन विभाग से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों एवं योजनाओं तथा महत्वपूर्ण बिंदुओं की समीक्षा की गई। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विभाग की ओर से पुष्कर प्रोजेक्ट पर चर्चा कर प्रगति की जानकारी ली तथा इस हेतु शीघ्रता से कार्य किये जाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने दिल्ली में कल्चररल सेंटर बनाने की सम्भावना पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि राजस्थान की परंपरिक पेंटिंग, भित्ति चित्रकारी तथा इससे जुड़ी अन्य कलाओं का नई पीढ़ी को सिखाई जाए। कला एवं संस्कृति विभाग की ओर से इस हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। इसके साथ ही उन्होंने राजस्थान धरोहर प्राधिकरण द्वारा झुन्झुनूं में बनवाये जाने वाले वार म्यजियम निर्माण पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि आमेर विकास एवं प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आमेर के अंदरूनी क्षेत्र हेतु मास्टरप्लान बनाकर कार्य किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि आमेर का इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट किया जाए। जिसमें सुरक्षा और पार्किंग, सफाई, दुकानों का व्यस्थिकरण तथा अन्य सुविधाओं का योजना अनुसार विकास किया जाए। उन्होंने जवाहर कला केन्द्र से सम्बंधित विकास कार्यों पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए तथा एएसआई के मोनूमेंट

पर प्रॉपर लाइटिंग के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को पर्यटन विभाग की विकास शाखा/टीआरसी जयपुर की ओर से जेडीए को जयपुर में कॉन्सर्ट पर्यटन के विकास हेतु भूमि आवंटन की प्रगति की जानकारी दी गई। बैठक में आरटीडीसी लैंड डिस्पोजल रूल्स में जल्दी परिवर्तन की जानकारी दी गई। उपमुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि खाटू श्याम जी मंदिर परिसर में विकास कार्य प्रगतिरत है तथा सीएसएस वर्क जल्दी किया जायेगा। इसके साथ ही अवगत कराया गया कि ट्राईबल सर्किट बनाने के क्रम में टीएडी के सुझाव हेतु पत्रावली प्रेषित की गई है। दिया कुमारी ने निर्देश दिए कि एकीकृत ग्रामीण पर्यटन विकास हेतु कार्य किए जाए। उन्होंने इस हेतु शुरुआती तौर पर शेखावाटी और आभानेरी में कार्य किये जाने की संभावना पर कार्य किये जाने के निर्देश दिए। अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता ने बैठक में अभानेरी में ग्रामीण पर्यटन और मॉडल टूरिस्ट विलेजज हेतु अवगत कराया कि कला एवं संस्कृति विभाग की ओर से पायलेट रूप में पांच गाँवों के लिए संस्कृति पोर्टल प्रस्तावित है। इसी प्रकार शेखावाटी में दो तीन स्थानों पर पायलट प्रोजेक्ट प्रस्तावित है।

ख्वाजा मुईनुद्दीन के दर पर पेश की चादर

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। वक्फ सम्पति बचाओ बिंग इकाई धरती पुत्र राजस्थान के संस्थापक एवं प्रदेश अध्यक्ष डॉ. शब्बीर खान ने ख्वाजा मुईनुद्दीन के चादर पेश कि इस चादर को अजमेर शरीफ के हाजी सलीम बाबा ने पेश कराई और सरकार की बारगाह में देश में अमन चैन दुआ मांगी तथा संगठन के लोगों के द्वारा किये जा रहे कामो को कबूल कर कामयाबी अता करने की दुआएं की। हाजी सलीम बाबा ने संस्थापक डॉ. शब्बीर खान की दस्तार वंदी कर कौम के हित में काम करने कि अल्लाह ताला से दुआए करते हुए ख्वाजा हिम्मत अता और सेहत आच्छी रखे।

चिकित्सा मंत्री ने किया रक्तदान शिविर का अवलोकन

कहा - जीवन बचाना सबसे बड़ा पुण्य कार्य

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। प्रदेश में निरंतर स्वास्थ्य सेवाओं को तकनीकी नवाचारों के माध्यम से उन्नत बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति का जीवन बचाने से बड़ा कोई पुण्य कार्य नहीं है। रक्तदान इस दिशा में एक श्रेष्ठ कार्य है। सभी स्वस्थ व्यक्तियों को इस नेक कार्य में भागीदारी निभानी चाहिए। चिकित्सा मंत्री ने शुक्रवार को सवाई मानसिंह अस्पताल में आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में शिरकत करते हुए यह विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि राजस्थान के कण-कण में त्याग, बलिदान एवं सर्वस्व न्यौछावर करने की गाथाएं रची-बसी हैं। राजस्थान की इस त्याग एवं समर्पण की संस्कृति को आत्मसात करते हुए हमें रक्तदान जैसे पुण्य कार्य के लिए आगे बढ़कर सहयोग प्रदान करना चाहिए। प्रसन्नता का

विषय है कि विगत समय में समाज में रक्तदान के प्रति भ्रांतियां दूर हुई हैं और जागरूकता बढ़ी है। इससे आपातकालीन स्थितियों में बड़ी संख्या में लोगों का जीवन बचाना संभव हुआ है। चिकित्सा मंत्री ने इस अवसर पर रक्तदान शिविर का अवलोकन किया और रक्तदाताओं से संवाद भी किया। उन्होंने इस पुनीत कार्य में सहयोग करने वाले सभी रक्तदाताओं, स्वास्थ्यकर्मियों एवं एसएमएस अस्पताल प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के माध्यम से यूनिवर्सल हेल्थ करवरेज की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। विगत दो वर्ष में स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। इससे आमजन इलाज खर्च की चिंता से मुक्त हुआ है और गांव-ढाणी तक स्वास्थ्य सेवाएं सुगमता से मिल रही हैं। इस अवसर पर खाद्य सुरक्षा आयुक्त डॉ. टी. शुभमंगला, चिकित्सा शिक्षा आयुक्त नरेश गोयल, सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी, अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सरस राजसखी मेले में लकी ड्रॉ बना आकर्षण का केंद्र

-प्रतिदिन क्रेता जीत रहे हैं ₹50,000 तक के उपहार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। स्कूलों में विंटर ब्रेक और नववर्ष के आगमन के साथ ही लोगों में छुट्टियों का उत्साह साफ दिखाई दे रहा है। इसी उत्साह के बीच जयपुर में आयोजित सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला 2025 इन दिनों शहरवासियों और पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण बन गया है। शुक्रवार को भी बड़ी संख्या में लोग अपने परिवार के साथ मेले में पहुंचे और खरीदारी के साथ-साथ वहां आयोजित विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया। मेले में आगंतुकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दैनिक लकी खरीदार अवॉर्ड योजना चलाई जा रही है। इसके तहत प्रतिदिन लकी ड्रॉ के माध्यम से दो भाग्यशाली खरीदारों का चयन किया जा रहा है, जिन्हें ₹20,000 से ₹50,000

तक के आकर्षक उपहार प्रदान किए जा रहे हैं। लकी ड्रॉ में वही खरीदार पात्र होते हैं, जो किसी एक स्टॉल से न्यूनतम ₹1,000 की खरीदारी कर वैध बिल के साथ अपना कूपन शाम 5 बजे तक जमा करते हैं। ड्रॉ की प्रक्रिया प्रतिदिन शाम 5 से 6 बजे के बीच गणमान्य अतिथियों एवं अधिकारियों की उपस्थिति में पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न की जा रही है। अब तक टीवी, फ्रिज, सैंडविच ग्रिल, बेडशीट, स्मार्ट फोन, साइकिल और एसी जैसे पुरस्कार विजेताओं को मिल चुके हैं। इस योजना को लेकर ग्राहकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है, जिसका सकारात्मक प्रभाव उत्पादों की बिक्री पर भी पड़ा है। शाम के समय आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मेले की रौनक को और बढ़ा दिया। विशेष रूप से मिजोरम के चैरो नृत्य की प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। चैरो मिजोरम का एक प्रसिद्ध और पारंपरिक बाँस नृत्य है, जिसे वहां के सबसे पुराने नृत्यों में गिना जाता है। इस नृत्य में कलाकार बाँस की डंडियों के बीच तालबद्ध ढंग से कूदते-थिरकते हैं, जो मिजोरम की समृद्ध संस्कृति और विरासत को जीवंत रूप में प्रस्तुत करता है। इस अनूठी प्रस्तुति ने न केवल दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया, बल्कि मेले में आए पर्यटकों के लिए भी एक यादगार अनुभव साबित हुई। सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला 2025 इस प्रकार खरीदारी, मनोरंजन और सांस्कृतिक विविधता का संगम बनकर लोगों को आकर्षित कर रहा है।

शहर को स्वच्छ बनाने के लिए नगर निगम का सख्त एक्शन

-1 लाख 2 हजार 100 रुपये का जुर्माना वसूला

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर द्वारा शहर में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने और गंदगी फैलाने वालों पर नकेल कसने के उद्देश्य से लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देश पर शुक्रवार को चालान प्रकोष्ठ स्वास्थ्य शाखा द्वारा विशेष कार्रवाई की गई।

अभियान के दौरान दुकानदारों को अपने प्रतिष्ठानों के आसपास गंदगी न फैलाने, सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने तथा डस्टबिन में ही कचरा डालने के लिए समझाइश दी गई। इसके साथ ही सिंगल यूज प्लास्टिक (SUP) के उपयोग पर सख्ती बरतते हुए नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की

गई।

इस विशेष अभियान के तहत कुल 1 लाख 2 हजार 100 रूपये का जुर्माना वसूला गया। नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने स्पष्ट किया कि शहर की स्वच्छता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और आने वाले दिनों में ऐसे अभियान और अधिक तेज किए जाएंगे। नगर निगम ने आमजन एवं व्यापारियों से अपील की है कि वे स्वच्छता नियमों का पालन करें, शहर को साफ-सुथरा रखने में सहयोग करें और स्वच्छ जयपुर के संकल्प को मजबूत बनाए।

विशेष निरोधात्मक अभियान प्रदेश में हजारों लीटर वॉश नष्ट

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश में अवैध शराब निर्माण, विक्रय, भण्डारण व तस्करी के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में आबकारी निरोधक दल ने चाकसू के ग्राम त्रिलीपुरा, लसाड़िया गुढ़ा, फलीयावास, सिंडोली में दबिश के तहत 1200 लीटर वॉश एवं 2 भट्टियां नष्ट की हैं। आबकारी थाना फुलेरा और आरपीएफ थाना फुलेरा की संयुक्त कार्रवाई में 18 बोतल अंग्रेजी शराब एवं 20 पव्वे अंग्रेजी शराब के बरामद किए गए। भीलवाड़ा के गुलाबपुरा व निम्बोहड़ा कलां में 400 लीटर वॉश व 2 भट्टियां नष्ट की गई, मौके से 4 लीटर अवैध हथकड़ शराब भी बरामद की गई। हनुमानगढ़ के टीबी पनीवाली एवं गुड़िया में आबकारी दल की कार्रवाई में 52 लीटर अवैध हथकड़ शराब बरामद कर अभियोग दर्ज किया गया। आबकारी आयुक्त शिवप्रसाद नकाते के निर्देशानुसार अभियान के तहत नाकाबंदी, गश्त, रेड की प्रभावी कार्यवाही कर केस दर्ज किए जा रहे हैं।

'नरेगा आखर' जिला प्रशासन जयपुर का विनम्र प्रयास

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। महात्मा गांधी नरेगा, महिला एवं बाल विकास विभाग, साक्षरता एवं सतत् शिक्षा विभाग तथा प्रारंभिक शिक्षा विभाग के सहयोग से निरक्षर नरेगा श्रमिको एवं अन्य ग्रामीणो को साक्षरता और कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए जिले मे 'नरेगा आखर' साक्षरता से सशक्तिकरण एक रचनात्मक कार्यक्रम का प्रारंभ माह जुलाई 2025 में जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की प्रेरणा से किया गया है।

इस अभियान के तहत शामिल निरक्षर श्रमिको का दिनांक 21 सितम्बर 2025 को एसेसमेन्ट टेस्ट आयोजित किया गया था। उक्त टेस्ट मे जिले के 46219 निरक्षर नरेगा श्रमिको द्वारा परीक्षा दी गई तथा जिसमे से 41290 श्रमिक उत्तीर्ण हुए।

इसी क्रम में उक्त अभियान के तहत एसेसमेन्ट टेस्ट मे पास श्रमिकों के लिए उच्च अध्ययन तथा वित्तीय एवं डिजीटल साक्षरता के संबंध मे शुक्रवार को जिला परिषद जयपुर के सभागार में कार्यशाला/प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसके साथ ही प्रतिभागियो को "वीबी-जी-राम-जी" की प्रारंभिक जानकारी भी प्रदान गई।

इसके अतिरिक्त 'नरेगा आखर' अभियान के तहत सितम्बर 2025 में आयोजित किये गये एसेसमेन्ट टेस्ट मे पास प्रत्येक ब्लॉक से 02 चयनित महिला श्रमिक जो उच्च, अध्ययन की इच्छुक हैं, उन्हे अंकतालिका का वितरण किया गया।

उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्रजमोहन गुप्ता, अति. मुख्य कार्यकारी अधिकारी (ग्रा. वि.), जयपुर द्वारा की गई। जिला परियोजना प्रबंधक राजिविका, जयपुर अनुपमा सक्सेना द्वारा भी कार्यक्रम मे भाग लेकर महिला श्रमिको एवं मेटो को आवश्यक जानकारी प्रदान की गई।

'नरेगा आखर' अभियान के तहत द्वितीय चरण जनवरी 2026 मे प्रारंभ होगा। इस क्रम मे आगामी सप्ताह मे (दिनांक 30 दिसम्बर से 3 जनवरी तक) पंचायत समिति स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम होंगे तथा दिनांक 5 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026 तक की अवधि मे नरेगा श्रमिको को वित्तीय एवं डिजीटल साक्षरता प्रदान की जाएगी।

इसी क्रम मे माह सितम्बर 2025 मे आयोजित किए गये एसेसमेन्ट टेस्ट मे पास नरेगा महिला श्रमिक, जो उच्च अध्ययन (10वी पास) करने की इच्छुक हो, उनका, साक्षरता एवं सतत् शिक्षा विभाग के माध्यम से सर्वे किया जाकर उच्च अध्ययन भी प्रारंभ करवाया जाएगा। उक्त कार्यशाला मे जिले के समस्त विकास अधिकारी, पं.स. के कार्यक्रम अधिकारी एवं शिक्षा विभाग के बी.सी.ई.ओ. ब्लॉक कार्डिनेटर, महिला एवं बाल विकास विभाग के सी.डी.पी.ओ., राजीविका की बैंक सखी, ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यरत प्रशासक, कार्मिक, चयनित नरेगा मेट एवं महिला श्रमिक उपस्थित रहे।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

खोरा लाड़खानी में श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन रुक्मिणी विवाह का आयोजन किया गया

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। भगवान लक्ष्मीनरसिंह जी की कृपा से खोरा लाड़खानी में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन नृसिंह मंदिर चौक में दिनांक 21 दिसम्बर से 28 दिसंबर तक भव्य रूप से किया जा रहा है। कथा का आयोजन खोरा के पुजारी परिवार द्वारा करवाया जा रहा है। पुजारी परिवार ने अपने पूर्वजों की स्मृति में इस कार्यक्रम का आयोजन किया है।

ज्ञात हो कि पुजारी परिवार पिछले पांच साल से अनवरत ग्राम में अपनी जड़ों से जुड़े रहने के लिए साल में चार से पांच बार अलग अलग कार्यक्रम आयोजित करता है। कुछ साल पहले समस्त परिवार जनों के सहयोग से

नरसिंह मंदिर का जीर्णोद्धार किया है जो कि करीब सैकड़ों साल पुराना मन्दिर है। श्रीमद्भागवत के आयोजन में पुजारी परिवार के सभी सदस्य जो कि लगभग 150 के करीब है। जयपुर से आ कर कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। पुजारी परिवार के द्वारा प्राप्त जानकारी में बताया गया कि दिन में कथा भगवताचार्य पंडित अशोक जी शर्मा (गंगापुर सिटी वालो) के श्रीमुख से कथा का श्रवण व्यासपीठ से किया जा रहा है। साथ ही भगवान की लीलाओं का मंचन भी किया जा रहा है। आज कथा के छठे दिन रुक्मिणी विवाह का आयोजन किया गया। साथ ही रात्रि में भजन सत्संग का कार्यक्रम भी आयोजित किया जा रहा है। पुजारी परिवार ने सभी ग्रामवासियों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में पधार कर कथा श्रवण का लाभ प्राप्त करने व साथ ही सभी माता बहनों को भी कथा में आने के लिए प्रोत्साहित करने की अपील की है।

सेवा पखवाड़ा के तहत झोटवाड़ा पूरब मंडल में सुशासन रथ यात्रा पहुँची

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। सेवा पखवाड़ा के तहत झोटवाड़ा पूरब मंडल में सुशासन रथ यात्रा पहुँची। विधानसभा संयोजक शंकरलाल यादव, सहसंयोजक महेंद्र देवंदा, सुनील भांभू, तहसीलदार जयपाल जी, झोटवाड़ा पूरब मंडल अध्यक्ष रामफूल यादव जोबनेर मंडल अध्यक्ष पंकज जॉय पूर्व मंडल अध्यक्ष रमेश चंद्र शर्मा, पूर्व जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश बागड़ा जिला IT संयोजक योगेश शर्मा जिला IT सहसंयोजक अनीता राठौड पूरब मंडल IT संयोजक देवेंद्र शर्मा सहायक विकास अधिकारी रामजस जी प्रतिनिधि बेगस देवनारायण जी पंचायत समिति सदस्य मोहन जी रोलानिया मंडल कार्यकारिणी सदस्य भानु प्रताप जी गोकुलपुरा मंडल महामंत्री महेंद्र चौधरी मंडल संयोजक रमेश टोडावता ग्यारसी लाल सरावता विष्णु यादव अजय गुर्जर कन्हैयालाल प्रजापत अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहेबड़ी संख्या में ग्रामीण एवं बीजेपी के बूथ अध्यक्ष, मंडल प्रतिनिधि व समस्त कार्यकर्ता मौजूद रहे। रथ यात्रा का उद्देश्य सरकार की योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुँचाना है ।

मुस्लिम ख्वातीनों ने हिजाब पर बदसुलूकी और मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों पर हमलों के खिलाफ जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

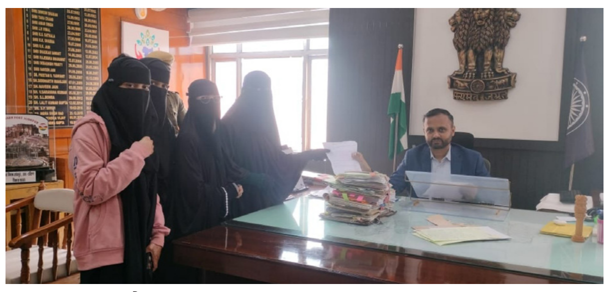

बारां (रॉयल पत्रिका) । देश में हिजाब पहनने वाली मुस्लिम महिलाओं के साथ हो रही बदसुलूकी और उनके संवैधानिक अधिकारों पर बढ़ते हमलों के विरोध में शुक्रवार 26 दिसंबर को बारां शहर की ग़ैरतमंद ख़्वातीन के एक प्रतिनिधि मंडल ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन का ध्यान मुस्लिम महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और धार्मिक स्वतंत्रता की ओर आकर्षित किया गया। ज्ञापन में कहा गया कि हाल के दिनों में सार्वजनिक स्थलों, शिक्षण संस्थानों और कार्य स्थलों पर हिजाब को लेकर महिलाओं को मानसिक प्रताड़ना, अपमान और भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है। यह न केवल महिलाओं की गरिमा के विरुद्ध है, बल्कि संविधान द्वारा प्रदत्त समानता, धार्मिक स्वतंत्रता और व्यक्तिगत अधिकारों का भी खुला उल्लंघन है। प्रतिनिधि मंडल ने मांग की कि हिजाब पहनने के कारण किसी भी महिला के साथ भेदभाव न किया जाए और ऐसी घटनाओं में शामिल दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही प्रशासन से यह भी आग्रह किया गया कि महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। कलेक्टर ने ज्ञापन प्राप्त करते हुए प्रतिनिधि मंडल को आश्वासन दिया कि कानून के अनुसार आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि देश में सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। ज्ञापन सौंपने वालों ने उम्मीद जताई कि प्रशासन इस संवेदनशील मुद्दे पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करेगा, ताकि मुस्लिम महिलाएं बिना भय और भेदभाव के अपने धार्मिक व संवैधानिक अधिकारों के साथ सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें।

भाजपा की ओर से बाल दिवस के अवसर पर वीर बालकों को सम्मानित किया

-चूरू सिख गुरुद्वारे में बाल दिवस मनाया गया

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय पर राजकीय भरतिया अस्पताल के सामने स्थित गुरूद्वारे में भारतीय जनता पार्टी की ओर से वीर बाल दिवस के अवसर पर वीर बालकों को सम्मानित किया गया। मण्डल अध्यक्ष सुरेश सारस्वत की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में वीर बाल दिवस कार्यक्रम में जिला महामंत्री अभिषेक चोटिया, जिला उपाध्यक्ष भास्कर शर्मा, मुक्त्यारसिंह, गुरूमीत सिह, जोगासिंह, सुन्दरलाल केनरा, नेता प्रतिपक्ष विमला गढ़वाल मचस्थ रहे। कार्यक्रम में बोलते हुऐ जिला महामंत्री अभिषेक चोटिया ने कहा कि यह दिन उन वीर बालकों के बलिदान को याद करने का दिन है । जिन्होंने देश व धर्म की रक्षा के लिए हंसते-हंसते अपने प्राणो को न्यौछावर कर दिया । उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज के दिन को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने की घोषणा करने से देश के बच्चो में अपने राष्ट्र व सांस्कृतिक विरासत के बारे में उनकी जानकारी बढ़ी है। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि सिख पंथ के दसवें गुरू गोविन्द सिंह जी के सुपुत्रों ने धर्म की रक्षा के लिए जो बलिदान दिया वह हमेशा भारतीय इतिहास में स्वर्णीम अक्षरों में लिखा रहेगा। उनके बलिदान का ही परिणाम है कि देश में उस समय जबरन धर्म परिवर्तन करने पर रोक लगी एवम् धर्म की रक्षा हुई । कार्यक्रम में बोलते हुए जिला उपाध्यक्ष भास्कर शर्मा ने इस कार्यक्रम की रूप रेखा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 2022 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज के दिन को मनाने की घोषणा की, क्योंकि इस दिन गुरू गोविन्द सिंह जी के साहबजादे बाबा जोरावर सिंह व बाबा फतेहसिंह ने अपना बलिदान दिया। उन्होंने सिख धर्म में सेवा व भक्ति की बात पर जोर देते हुऐ कहा कि सिख पंथ ने सदा देश की एकता व अखण्डता के लिए अपना बलिदान दिया है। कार्यक्रम में बोलते हुए मण्डल अध्यक्ष सुरेश सारस्वत ने इस दिन के ऐतिहासिक तथ्य को उजागर करते हुए कहा कि देश के इतिहास के साथ सदा अन्याय किया गया। जिन लोगों को इतिहास में सम्मान के साथ याद किया जाना था। उन्हें एक षड़यत्रपूर्वक तरीके से भुला दिया गया। परन्तु अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जो सरकार है वह सरकार हमारे देश के नायकों का इतिहास सबके सामने रख रही है। इस अवसर पर वीर बालक के रूप में वीर बालकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला मीडिया संयोजक रवि दाधीच ने किया। कार्यक्रम में भाजयुमो जिलाध्यक्ष मदन गोपाल बालाण, भण्डार चेयरमेन मोहन गढ़वाल, भाजयुमो जिला महामंत्री जयपालसिंह टकणेत, मण्डल महामंत्री प्रकाश नायक, श्रीराम पीपलवा, दिनेश शर्मा, अजय तंवर, राकेश शर्मा, राकेश ओझा, विमल जोशी, कैलाश शर्मा, कमल सैनी, नीरज जांगिड़, सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

क्रिसमस के मौके पर गरीब बच्चों को गर्म वस्त्र वितरण किए

कोटा (रॉयल पत्रिका) । "एक उम्मीद सेवा संस्थान" कोटा के द्वारा गरीब मजदूर वर्ग के छोटे बच्चों के लिए गर्म वस्त्र वितरित कर अभियान की शुरुआत की गई। "एक उम्मीद सेवा संस्थान" के गर्म वस्त्र वितरण अभियान में लगातार संस्था के सदस्यों द्वारा झुग्घी झौपड़ियों में रहने वाले मामा लोगों के छोटे-छोटे बच्चों को ढूंढ-ढूंढ कर गर्म जरकीनें पहनते हुए उनके माता पिता के चेहरों पर जो मुस्कान और खुशी थी । वो दिल को सुकून पहुंचने वाली थी। संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष खुशाल गुप्ता ने बताया कि इस कपकपाती हुई सर्दी में इनके छोटे-छोटे बच्चे बिना गर्म वस्त्र के रहते हैं। ऐसे में संस्था की इस छोटी-सी पहल इन लोगों के बच्चों के लिए मददगार साबित होगी। हर साल की तरह गर्म वस्त्र बांटने का यह अभियान 25 दिसम्बर 2025 से लेकर नये साल की एक जनवरी 2026 तक चलाया जाएगा। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष डॉ. रियाज़ खान, अन्नू मीरा, एडवोकेट अबरार खान, एडवोकेट बिलाल नूरी, मनोज अजमेरा, अशोक आदि मौजूद रहे।

खलीफा वेलफेयर सोसायटी राजस्थान का प्रतिभा सम्मान समारोह बीकानेर में संपन्न हुआ

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका) । खलीका वेलफेयर सोसाइटी राजस्थान का चौथा सम्मान समारोह का जश्न-ए-एजाज जलसा बीकानेर, हसनेन इस्ट कैम्पस में सम्पन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता डॉ. अयुब कुरैशी झुंझनु ने की, मुख्य अतिथि अहमद अली बीकानेर, विशिष्ट अतिथि अनवर अली कुरैशी रतनगढ़, युनुस अली चूरू, अख्तर अजीज बीकानेर, शेर मोहम्मद, बाबा हिन्दस्तानी महमूद कुरेशी, युनुस सलीम, खुर्शीद गौहर झुंझुनू, इनायत अली बीकानेर, इदरीश खत्री राज चूरवी थे। समारोह में बोलते हुए सेवानिवृत जिला शिक्षा अधिकारी अनवर अली कुरैशी ने आह्वान किया कि कौम के बच्चों की तालीम की तरफ ज्यादा ध्यान देवें। इसी क्रम में मुख्य अतिथि ने कहा प्रतिभा सम्मान समारोह एक ऐसा विशेष आयोजन है जहां शिक्षा, खेल व कला जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले होनहार छात्रों और छात्राओं को व्यक्तियों को सम्मानित किया जाता है । इनका मुख्य उद्देश्य उनकी मेहनत को देखना और उन्हें भविष्य में और बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित करता है। ऐसे कार्यक्रमों में समाज में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना जागती है और अन्य लोगों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है । सम्मानित व्यक्तियों को प्रमाण, स्मृति चिह्न प्रदान कीए जाते हैं। इस समारोह में कक्षा 10 व 12 वीं में 70% अक प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया। बी.एड, बी. फार्मा, बी.एस. सी, नर्सिंग व विशेष उपाधि प्राप्त करने वाले प्रत्याशियों को भी सम्मानित किया गया। प्रोग्राम का आगाज कुरआन मजीद की तिलावत से हुआ। समारोह में चूरू, कुन्नू, सीकर, गंगानगर, डीडवाना, कुचामन, रतनगढ़, फतेहपुर, मण्डावा, चिड़ावा, बीकानेर बिसाऊ, महनसर आदि कौम के लोगों ने भाग लिया । सभी ने आयोजन की प्रसंशा की। इस मौके पर बीकानेर के अब्दुल रशीद, तनवीर, अयुब भाटी, कयूम कुरैशी, समीर भाटी, इमरान भाटी, शमशाद कुरैशी, खुर्शीद, आवेश भाटी आदि उपस्थित थे । संस्था के अध्यक्ष सचिव कयुम बिदासर एवं इरशाद चौहान, सदस्यगण ने सभी आए हुए मेहमानों का इस्तकबाल के साथ आभार व्यक्त किया।

रोजगार सृजन के तहत जागरुकता शिविर आयोजित

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। राज्य खादी और ग्रामोद्योग आयोग, जयपुर द्वारा प्रधानमंत्री रोज़गार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को ग्राम दिगोदपार में एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें राज्य निदेशक राहुल मिश्र द्वारा खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम में परंपरागत उद्योगों को जीवंत रखने एवं नवीन उद्योग स्थापित करने के लिए चलाई जा रही योजनाओं के बारे में ग्रामवासियों को विस्तार से जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा तथा खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार के दिशा निर्देश में खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा बेरोजगारों को रोजगार सृजन के लिए खादी ग्रामोद्योग की विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही है। शिविर में ग्रामवासियों ने अपना उत्साह दिखाया व अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। शिविर में जनप्रतिनिधि नरेंद्र कुशवाह, इंद्रपाल प्रजापति व बैंकर्स भी उपस्थित रहे।

नगर परिषद बारां के कर्मचारियों के पदोन्नति को लेकर कांग्रेस सेवादल ने जिला कलेक्टर को दिया ज्ञापन

बारां (रॉयल पत्रिका) । जिला कांग्रेस सेवा दल के कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष शिवशंकर यादव के नेतृत्व में जिला कलेक्टर को ज्ञापन देकर नगर परिषद बारां के कर्मचारियों की पदोन्नति करने की मांग की गई। ज्ञापन में बताया कि नगर परिषद बारां में वर्ष 2014-15 में मात्र कनिष्ठ लिपिक से वरिष्ठ लिपिक के पद पर पदोन्नति की गई। इसके बाद आज तक किसी प्रकार की पदोन्नति नहीं हुई है। इस कारण कार्मिक अपनी सेवाकाल पूर्ण कर ज्वाईनिंग पर ही सेवानिवृत ले लेता है। जबकि नियमानुसार कार्मिकों को प्रत्येक 5 वर्ष में पदोन्नति का प्रावधान है एवं प्रत्येक वर्ष प्रत्येक कार्यालय में वरीयता सूची जारी होना आवश्यक है। पदोन्नति जोकि नगर परिषद द्वारा जारी नहीं की जाती है, जिससे कार्मिकों में रोष व्याप्त है। ना ही कोई नियुक्त अधिकारी इस मामले में अपनी रूचि लेता है। वर्तमान में कई रिक्त पदों पर पार्क माली, बिस्ती फायर मैन चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, सीगाप्रभारी बने हुए हैं। अगर समय पर पदोन्नति की कार्रवाई होती है तो कार्मिकों का अपने कार्य के प्रति उत्साह रहता है। ज्ञापन देने वालों में उपाध्यक्ष कुलदीप मीणा भूलाहेड़ी, सेवादल नगर अध्यक्ष रोहित गुर्जर, विजय बैरवा, पूर्व पार्षद अर्जुन यशवंत, पूर्व पार्षद लीलाधर नागर, पूर्व पार्षद मोहम्मद शरीफ रंगरेज, पूर्व पार्षद राजाराम मीणा आदि मौजूद रहे।

संभाग स्तरीय आरोग्य मेले के दौरान सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने गुरुवार सायं को जिला मुख्यालय स्थित पुलिस लाइन मैदान में चल रहे संभाग स्तरीय आरोग्य मेले के दौरान आयोजित सांस्कृति संध्या कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आरोग्य मेले के माध्यम से आमजन को स्वास्थ्य जांच, परामर्श सहित अन्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस प्रकार के आयोजन समाज के हर वर्ग तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने में सहायक होते हैं। उन्होंने आमजन से आग्रह किया कि वे इस अवसर का भरपूर लाभ उठाएं और अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें। सांस्कृतिक संध्या में लोक कलाकार कंचन सपेरा, सलमा सपेरा, गिरिराज एवं अंजली ग्रुप द्वारा पारंपरिक लोक नृत्य, भवाई नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। आयुर्वेद उपनिदेशक डॉ. सत्यवीर सिंह ने आरोग्य मेले में दी जा रही सेवाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 28 दिसंबर, 2025 तक मेले का आयोजन किया जाएगा तथा प्रति दिन सायं को सांस्कृतिक संध्या भी आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर डॉ. कमल वशिष्ठ ने मांड गायन पर प्रस्तुति दी। इस दौरान निवर्तमान उप जिला प्रमुख महेंद्र न्यौल, सुरेश सारस्वत, सीपी शर्मा, श्रीराम पीपलवा, डॉ. मनीष शर्मा, डॉ. संजय तंवर, डॉ. ओम प्रकाश, डॉ. निरंजन चिरानिया सहित अन्य मौजूद रहे।

वीर बाल दिवस पर वंदे मातरम् स्कूल में आयोजित हुआ कार्यक्रम

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका) । केन्द्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार मातृभूमि, धर्म एवं सनातन संस्कृति की रक्षा हेतु अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले सिखों के दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह महाराज के चार साहिबज़ादों के अमर बलिदान की स्मृति में 26 दिसम्बर को वीर बाल दिवस मनाया जाता है। इसी क्रम में वंदे मातरम् स्कूल, जय नगर में वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत, जिला अध्यक्ष सुनील भंडारी, पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख, पूर्व सभापति महेंद्र बोहरा, समाजसेवी राजेंद्र सिंह भाटी, पूर्व पार्षद तिलोक चौधरी, दर्शन तलवार, पूर्व उपसभापति लालुभाई पिरतमानी, शिवप्रकाश प्रजापत, देवीलाल मेघवाल, सुरेश पंवार, मानवेंद्र सिंह भाटी, गोपाल बंजारा, अजय वैष्णव सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि सनातन धर्म की रक्षा के लिए बलिदान देने वाले उन बाल वीरों को सम्पूर्ण राष्ट्र नमन करता है। उनके त्याग और बलिदान पर हर देशवासी को गर्व है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 26 दिसम्बर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया, जिसके परिणाम स्वरूप आज पूरे देश में यह दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया जा रहा है।

वहीं पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख ने बच्चों से आह्वान किया कि वे चार साहिबज़ादों के जीवन से प्रेरणा लेकर धर्म एवं सनातन संस्कृति की रक्षा हेतु सदैव समर्पित रहें।

आज संगीत संगम की वर्षगांठ पर चूरू के कलाकार देंगे अपनी प्रस्तुतियां

चूरू (रॉयल पत्रिका) । आज चौलावा कुआ के पास संगीत को समर्पित संगीत संगम की वर्षगांठ पर स्थानीय कलाकार अपनी संगीतमयी प्रस्तुतियां देंगे । संगीत संगम के डायरेक्टर अजय भालेरीवाला ने बताया कि 27 दिसम्बर को सांय 5 बजे आयोजित होने वाले कार्यक्रम के अध्यक्षता जाने माने शिक्षाविद् के.सी. सोनी करेंगे । जिसमें शहर एवम् अनेक जगह से आये हुए कलाकार अपनी-अपनी प्रस्तुतियां देंगे। संगीत संगम के उपाध्यक्ष राजकुमार शर्मा ने बताया कि पिछले कई दिनों से कार्यक्रम की तैयारियां चल रही हैं। चूरू के जाने माने संगीत निर्देशक राजेन्द्र चौबे के निर्देशन में कलाकार रिहर्सल कर रहे हैं और कार्यक्रम के लिए सम्पूर्ण तैयारियां कर ली गई है।

भारतीय मानव अधिकार सेवा संगठन द्वारा राजकीय अस्पताल में किया फल वितरण

हनीस खान कुतकपुर

हिण्डौन सिटी (रॉयल पत्रिका) । मानव अधिकार सेवा संगठन द्वारा 25 दिसंबर को हिण्डौन सिटी के राजकीय चिकित्सालय में एक भव्य सेवा शिविर का आयोजन किया गया। संगठन के जिला और ब्लॉक पदाधिकारियों, जिला अध्यक्ष सचिन गुलपाड़िया, हिण्डौन सिटी ब्लॉक अध्यक्ष सागर, बयाना ब्लॉक अध्यक्ष महादेव, और ब्लॉक अध्यक्ष खुशबू के संयुक्त नेतृत्व में अस्पताल के विभिन्न वार्डों में मरीजों और उनके परिजनों को पौष्टिक भोजन एवं फल वितरित किए गए। इस पुनीत कार्य में ग्राम स्तर की टीम का विशेष सहयोग रहा। ग्राम अध्यक्ष गौरव, ग्राम उपाध्यक्ष सचिन मधुकर और ग्राम सचिव अंकित ने अस्पताल के प्रत्येक वार्ड में जाकर व्यवस्था संभाली और सभी जरूरतमंदों तक राहत सामग्री पहुँचाना सुनिश्चित किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सचिन गुलपाड़िया और हिण्डौन सिटी ब्लॉक अध्यक्ष सागर ने संयुक्त रूप से कहा कि, "संगठन का मूल उद्देश्य पीड़ित मानवता की नि:स्वार्थ सेवा करना है। अस्पताल में भर्ती मरीजों को दवा के साथ-साथ अच्छे आहार और दुआ की भी जरूरत होती है, जिसे पूरा करने का हमने एक छोटा-सा प्रयास किया है।" अस्पताल प्रशासन और वहां उपस्थित लोगों ने संगठन की इस सराहनीय पहल का स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में सभी पदाधिकारियों ने भविष्य में भी इसी तरह के सामाजिक सरोकार के कार्य जारी रखने का संकल्प लिया।

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की शताब्दी जयंती एवं वीर बाल बलिदान दिवस पर बैठक का आयोजन किया गया

हनीस खान कुतकपुर

खेड़ा जमालपुर (रॉयल पत्रिका) । भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की शताब्दी जयंती एवं वीर बाल बलिदान दिवस पर 26 दिसंबर को बैठक का आयोजन किया गया । भाजपा मंडल अध्यक्ष गीता देवी जाट की अध्यक्षता में खेड़ा मंडल पर भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की शताब्दी जयंती के अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं ने वाजपेई के चित्रपट पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की इसके बाद वीर बाल बलिदान दिवस के उपलक्ष पर गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबजादों को याद कर उनके चित्रपट पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की एवं उनकी शहादत को नमन किया। साथ ही मंडल अध्यक्ष गीता देवी की अध्यक्षता में मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि अजयपाल सिंह रहे । मुख्य अतिथि ने कार्यकर्ताओं को निर्देशित करते हुए मतदाता सूची में विशेष पुनरीक्षण के दौरान कोई भी योग्य मतदाता सूची से वंचित न रहे। साथ ही नव मतदाताओं को विशेष रूप से सूची में नाम दर्ज करवाने पर जोर दिया गया। इस दौरान देवेन्द्र भारद्वाज, विकास व्यास, शोभा तिवारी, ममता सैनी, मनोज तिवारी, जगदीश मीणा, इन्द्रजीत जुबेर खान, रिंकू मीणा, शाहबुद्दीन, मलखान, अमरसिंह, नटवर सिंह, सुल्तान सिंह, उदय सिंह, संजीव, छोटे लाल जीतेन्द्र आदि भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पाली जिले के ग्रामीण जनता को रोजगार देने के लिये मनरेगा शुरू करने की मांग

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजीव गांधी पंचायतीराज संगठन के पाली जिलाध्यक्ष मदनसिंह जागरवाल ने राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को मेल व पत्र भेजकर पाली जिले में जनता को रोजगार देने के लिये पाली जिले की हर पंचायत के गांवों में मनरेगा के कार्य शुरू करवाने की मांग की है। जिलाध्यक्ष मदनसिंह जागरवाल ने पत्र में लिखा है कि दीपावली के बाद जिले में 70 प्रतिशत मनरेगा के कार्य बन्द पड़े है, ग्रामीण जनता खरीफ की फसल से निर्मुक्त होकर रोजगार नही होने के कारण पड़ौस के राज्य में पलायन करने पर मजबुर होना पड़ रहा है, इसके अलावा पूरे वर्ष एक मजदुर को 100 दिन का कार्य नहीं मिलने के कारण श्रमिक कार्ड व अन्य सरकारी योजनाओं से वंचित होना पड़ रहा है, जिसका खामियाजा जिले की ग्रामीण और गरीब जनता को भुगतना पड़ रहा है। जागरवाल ने पत्र में यह भी लिखा कि अब पिछले 20 वर्षों से नरेगा, मनरेगा में तालाबों के कार्य करवाये जा रहें है। जिससे तालाब लवणित हो गये और लगभग लगभग सभी तालाबों का पानी पीने योग्य नही रहा और खारा हो गया। भविष्य में जो भी कार्य स्वीकृत किया जावे वह गांव व ढ़ाणीयों को जोड़ने के लिये ग्रेवल सड़कों के कार्य ही स्वीकृत किये जावें ताकि केन्द्र सरकार के पैसे का सदुपयोग हो और गांव ढ़ाणीयों के आवागमन के रास्ते बन सकें। जागरवाल ने पत्र में यह भी बताया कि केन्द्र सरकार ने मनरेगा कार्य नाम बदलकर जी राम जी करके देश की जनता के साथ व महात्मा गांधी को अपमानित किया है, जिसका पाली जिला राजीव गांधी पंचायतीराज संगठन घौर निन्दा करता है। जागरवाल ने मुख्यमंत्री महोदय से पूरजोर मांग की है कि शीघ्र ही पाली जिले के हर पंचायत के गांवों में लोगों को रोजगार देने के लिये मनरेगा के कार्य स्वीकृत किये जावे अन्यथा राजीव गांधी पंचायतीराज संगठन आन्दोलन का रास्ता अख्तियार करेगी।

प्रतापगढ़ सीएचसी में नसबंदी शिविर में लापरवाही, महिलाओं को जमीन पर लिटाने से भड़का आक्रोश

प्रतापगढ़ (रॉयल पत्रिका)। अलवर जिले के थानागाजी उपखण्ड स्थित प्रतापगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित परिवार नियोजन (नसबंदी) शिविर में गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। नसबंदी ऑपरेशन कराने आई महिलाओं को ऑपरेशन के बाद बेड या उचित सुविधा देने के बजाय जमीन पर फर्श पर लिटा दिया गया, जिससे महिलाओं और उनके परिजनों में भारी आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों ने लापरवाह चिकित्सकों और चिकित्सा प्रभारी पर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार प्रतापगढ़ सीएचसी में आयोजित शिविर में करीब दो-तीन दर्जन से अधिक महिलाएं ऑपरेशन के लिए पहुंची थीं। राज्य सरकार की योजना के तहत इन महिलाओं को ऑपरेशन के बाद एंबुलेंस, वाहन और बेड जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं मिलनी चाहिए थीं, लेकिन चिकित्सा टीम और स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी की लापरवाही के चलते न तो घर लौटने के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था की गई और न ही महिलाओं को बेड उपलब्ध कराए गए। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रतापगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लंबे समय से चिकित्सकों की कमी और लापरवाही का शिकार है। कभी चिकित्सक ड्यूटी पर नहीं मिलते और जब मौजूद रहते हैं तो मरीजों का समुचित इलाज नहीं हो पाता। आरोप है कि कुछ चिकित्सक अस्पताल के बजाय निजी क्लीनिक चलाने में व्यस्त रहते हैं। मजबूर होकर ग्रामीणों को इलाज के लिए थानागाजी, गुड़ा या जयपुर तक जाना पड़ता है। बताया जा रहा है कि बीते दो वर्षों से यहां तीन चिकित्सकों के पद रिक्त हैं। जहां पांच चिकित्सकों की जरूरत है, वहां महज दो ही अस्पताल संभाल रहे हैं, उनमें से भी एक चिकित्सक अधिकांश समय नदारद रहता है। मामले में चिकित्सा प्रभारी से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया और केवल वॉइस मैसेज भेजते रहे। ग्रामीणों का सवाल है कि जब सरकार मरीजों की सुविधा के लिए कई योजनाएं चला रही है, तो फिर चिकित्सा प्रभारी और स्टाफ ऐसी लापरवाही क्यों बरत रहे हैं। अब देखना होगा कि स्वास्थ्य विभाग इस गंभीर मामले में जिम्मेदारों पर कोई कार्रवाई करता है या नहीं।

प्रांतीय मुस्लिम तेली महापंचायत जयपुर ने अपने संगठन में विस्तार कर नई नियुक्ति की

हनीस खान कुतकपुर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुस्लिम तेली महापंचायत के प्रदेश अध्यक्ष अब्दुल लतीफ आरको एवं संरक्षक अशरफ अली खिलजी एवं प्रदेश की कार्यकारिणी के मशविरे के पश्चात उत्कृष्ट कार्य करने पर निजामुद्दीन निवासी भट्टा कॉलोनी हिंडौनसिटी करौली को प्रदेश संयुक्त सचिव नियुक्त किया है। उम्मीद है कि निजामुद्दीन अपने उत्कृष्ट कार्यों से संगठन को मजबूती प्रदान करेंगे एवं पूरे तन मन से महापंचायत व समाज के उत्थान के कार्यों को आगे बढ़ाने में मददगार साबित होंगे। संगठन ने निजामुद्दीन के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। निजामुद्दीन को प्रदेश संयुक्त सचिव राजस्थान नियुक्त पर समाज में खुशी की लहर है। निजामुद्दीन की नियुक्ति पर इस्माइल भाई बोन, जाकिर हुसैन उर्फ लाला, हाजी मोहम्मद हुसैन, हाजी आलमगीर, मुफ्ती सद्दाम, मोहम्मद रफीक ताज, पार्षद कमरुद्दीन डॉ.अनवर, अशरफ़ अली, बरकत मिस्त्री, जहूर पटेल, बरकत नला, जहूर अकाउंटेंट, हाफिज हकीमुद्दीन, मुंशी खान कबाड़ी, सरफुद्दीन खान, आदि समाज के गणमान्य लोगों ने बधाई देकर खुशी का इजहार किया।

क्रिसमस डे पर सरिस्का अभ्यारण में उमड़ा सैलानियों का सैलाब, वाहनों और होटलों पर बढ़ा दबाव

गोपेश कुमार शर्मा

अलवर (रॉयल पत्रिका)। क्रिसमस डे के मौके पर थानागाजी के समीप स्थित सरिस्का अभ्यारण में पर्यटकों की जबरदस्त भीड़ देखने को मिली। दिल्ली, यूपी, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र सहित विदेशों से भी बड़ी संख्या में पर्यटक सरिस्का भ्रमण के लिए पहुंच रहे हैं। 25 दिसंबर क्रिसमस डे से लेकर 2 जनवरी तक लगातार पर्यटकों की भारी आमद रहती है। पर्यटकों के लिए उपलब्ध सफारी वाहन कम पड़ रहे हैं, वहीं रात्रि ठहराव के लिए होटल एक महीने पहले ही बुक हो जाती हैं, जिससे कमरों की भारी किल्लत हो जाती है। अभ्यारण क्षेत्र में कमरे नहीं मिलने पर पर्यटक शाहपुरा, विराटनगर और अलवर की होटलों में रुकने को मजबूर हैं। क्रिसमस के दिन अत्यधिक भीड़ के कारण सरिस्का में वाहनों का जमावड़ा लगा रहा और करीब एक घंटे तक जाम जैसे हालात बने रहे। सरिस्का भ्रमण पर आए पर्यटक 2 जनवरी तक क्षेत्र में घूमने और नववर्ष यहीं मनाने की योजना बना रहे हैं। इसे देखते हुए वन विभाग ने पूरी तैयारी कर रखी है।

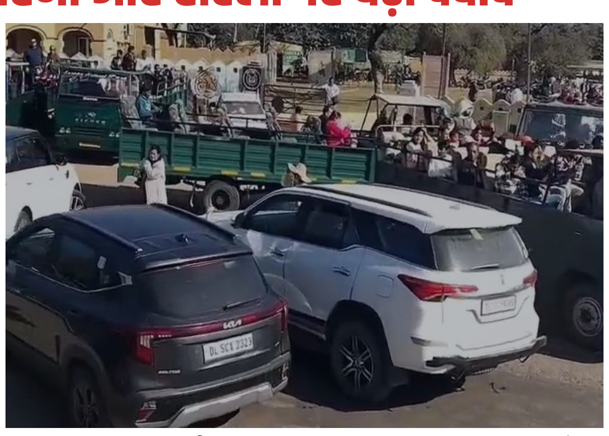

दलाव की बालिका सुमन कंवर ने किया जिले का नाम रोशन

-इंस्पायर अवार्ड में राष्ट्रीय स्तर पर करेगी राज्य का प्रतिनिधित्व

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। इंस्पायर अवार्ड मानक सत्र 2024-25 की राज्य स्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 22 से 24 दिसंबर 2025 तक सेठ किशन लाल कांकरिया उच्च माध्यमिक विद्यालय नागौर में किया गया। इस प्रतियोगिता में संपूर्ण राजस्थान के 200 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया , जिसमें राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भदलाव की बालिका सुमन कंवर का प्रोजेक्ट राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली प्रदर्शनी के लिए चयन हुआ। विद्यालय के प्राचार्य राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा इंस्पायर अवार्ड- मानक योजना सम्पूर्ण देश के युवाओं में किया गया एक ऐसा निवेश है जो विज्ञान के अध्ययन एवं अनुसंधान को विकसित करता है। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान का बीज बोकर उसे पोषण और प्रोत्साहित करना, विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाना तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण उत्पन्न करना है। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों को उनकी रचनात्मक एवं नवीन विचारों को प्रोटोटाइप और उत्पाद विकास के लिए प्रोत्साहित करता है। इसमें राज्य एवं केन्द्र सरकार के सभी राजकीय एवं निजी विद्यालयों की कक्षा 6 से 12 तक की कक्षाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट को इंस्पायर अवार्ड- मानक योजना के तहत पोर्टल पर लॉगिन करके विद्यार्थियों के सृजनात्मक एवं नवाचारी विचार को शीर्षक दिया जाता है। इसके पश्चात उसके बारे में संक्षिप्त विवरण यथा उद्देश्य एवं समाज के लिए उपयोगिता आदि का उल्लेख किया जाता है। चयनित विद्यार्थियों को प्रोत्साहन के रूप में 10,000 की राशि दी जाती है। ऑनलाइन चयनित विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट की जिला स्तर पर प्रदर्शनी की जाती है। वहां श्रेष्ठ चयनित प्रोजेक्ट को राज्य स्तर की प्रदर्शनी में भेजा जाता है एवं राज्य स्तर पर चयनित विद्यार्थियों को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग राष्ट्रीय स्तर पर नई दिल्ली भेजा जाता है। प्रधानाचार्य द्वारा बताया गया कि सत्र 2018 में भी विद्यालय के बालक दीपक नायक के प्रोजेक्ट का राष्ट्रीय स्तर पर चयन हुआ था, उसके पश्चात प्रतिवर्ष विद्यालय के विद्यार्थियों का इंस्पायर अवार्ड में चयन हो रहा है।

क्या है नवाचार :-

विद्यालय की विज्ञान विषय की वरिष्ठ अध्यापक राजेश्री अग्रवाल के निर्देशन में बालिका सुमन ने सेफ्टी शूज का नवाचार किया। प्रायः देखा जाता है कि बरसात के दिनों में बिजली के तार टूट जाने से आसपास एवं पानी में करंट दौड़ पड़ता है जिससे मानव जीवन की क्षति हो जाती है। इससे बचने के लिए बालिका द्वारा सेफ्टी शूज तैयार किया गया इसमें करंट के संपर्क में आते ही जूते के तलवे में लगे सेंसर से सायरन की आवाज आएगी एवं जूते में लगी लाइट जलेगी जिससे व्यक्ति स्वयं सचेत होकर दूसरों को भी सचेत कर देगा।इनका कहना है....

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भदलाव की बालिका सुमन कंवर उनकी विज्ञान टीचर और प्रधानाचार्य को बधाई देता हूं यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि हमारे जिले की बेटी इंस्पायर अवार्ड में राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का प्रतिनिधित्व करेगी। यह बालिका शिक्षा और महिला सशक्तिकरण की ओर सशक्त कदम है इससे अन्य विद्यार्थी भी प्रेरणा लेंगे। हम टीम भावना से भविष्य में और अधिक अच्छा प्रयास करके इंस्पायर अवार्ड में अधिक से अधिक रजिस्ट्रेशन करके जिला राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर विद्यार्थी भेजने का प्रयास करेंगे।

विकास रथ से जिले में गांव-गांव पहुंचीं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी

पाली (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के सफलतापूर्वक दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शुक्रवार को जिले की विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में विकास रथ जागरूकता वाहनों के माध्यम से ग्रामवासियों को राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। इन जागरूकता रथों के जरिए ग्रामीणों, जरूरतमंदों एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के परिवारों को सरकार की विभिन्न योजनाओं से अवगत कराया गया।

विकास रथ में स्थापित एलईडी वॉल के माध्यम से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदर्शित की गई। साथ ही मौके पर उपस्थित नागरिकों को सरकार द्वारा प्रकाशित पोस्टर, फोल्डर, बुकलेट तथा विधानसभा वार प्रकाशित पुस्तिकाओं का वितरण कर विभागीय उपलब्धियों एवं योजनाओं की जानकारी दी गई, ताकि अधिक से अधिक पात्र व्यक्ति योजनाओं से जुड़ सकें।

इस अवसर पर सोजत विधानसभा क्षेत्र के रायपुर उपखंड अंतर्गत लिलाम्बा, आकेली, कुशालपुरा, झुंठा एवं पिपलिया कलां गांवों में विकास रथ का संचालन किया गया। इसी प्रकार पाली विधानसभा क्षेत्र के रोहट उपखंड के गेलावास, दिवांदी, धोलेरिया शासन एवं खुण्डाला के पास के क्षेत्रों में जागरूकता रथ के माध्यम से ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी दी गई। सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के खैरवा, लाम्बिया, बाणियावास एवं बोमादड़ा ग्रामों में भी विकास रथ पहुंचा। इसके अतिरिक्त मारवाड़ जंक्शन विधानसभा क्षेत्र के रानी उपखंड के कुन्दनमल कॉलोनी, केरली, सांवलता, पिलोवनी, खिंवाड़ा एवं गजनीपुरा गांवों तथा बाली विधानसभा क्षेत्र के दादाई, कोटड़ी, ढालोप, सिन्दरली, बडोद, मौरखा, मादा, माण्डीगढ़, गुड़ा जाटान, आना एवं नाडोल ग्रामों में भी जागरूकता रथ के माध्यम से ग्रामीणजनों को योजनाओं में पंजीकरण एवं लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया की जानकारी उपलब्ध कराई गई। जागरूकता वाहन रथ कार्यक्रमों का उद्देश्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाकर अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों को योजनाओं से जोड़ना एवं लाभान्वित करना है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना रबी 2025-26 की जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिले में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना/पुनर्गठन मौसम आधारित फसल बीमा योजना के अंतर्गत शुक्रवार को संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) राकेश कुमार अटल कि अध्यक्षता में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन आत्मा सभागार सवाई माधोपुर में हुआ। संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) ने सभी बैंकर्स को सभी ऋणी कृषकों का 31 दिसंबर तक फसल बीमा करने एवं अब तक की प्रगति पर चर्चा की। सहायक निदेशक सांख्यिकी ने बैंक शाखावार फसल बीमा पॉलिसी की प्रगति बढाने एवं पोर्टल पर चल रही समस्या के निराकरण पर चर्चा की। सभी बैंकों को बीमा कंपनी के जिला प्रतिनिधि अनिल कुमार जोगी ने पीपीटी के द्वारा फसल बीमा पोर्टल एवं बैंकर्स को ऋणी किसानों का बीमा करने के लिए सम्पूर्ण जानकारी दी। कार्यशाला में उपनिदेशक कृषि (आत्मा) अमर सिंह, सहायक निदेशक सांख्यिकी श्याम बिहारी मथुरिया, सद्दायक अग्रणी प्रबंधक हरिकेश मीना, एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी के प्रतिनिधि, समस्त बैंकों के प्रबंधक सहित कृषि विभाग के अधिकारी एवं बीमा कंपनी के तहसील प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राजगढ़ में देवीजी मंदिर चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार, एक बाल अपचारी निरुद्ध

अलवर/राजगढ़ (रॉयल पत्रिका)।अलवर जिले के राजगढ़-माचाड़ी सड़क मार्ग पर स्थित देवीजी माता के मंदिर में हुई चोरी की वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक बाल अपचारी को निरुद्ध किया गया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया चांदी का मुकुट, चांदी का सूरज, तीन छत्तर और झल्लर बरामद किए गए हैं। साथ ही घटना में प्रयुक्त बिना नंबर की मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। थानाधिकारी राजेश मीना ने बताया कि 14 दिसंबर को परिवादी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि कस्बा राजगढ़ में माचाड़ी रोड पर स्थित देवीजी माता के मंदिर में अज्ञात चोरों ने हॉल के छोटे गेट और माता के गर्भगृह के गेट का ताला व सीसा तोड़ दिया। इसके बाद चोर माता का चांदी का मुकुट, चांदी का सूरज, एक बड़ा और दो छोटे छत्तर व झल्लर, जिनका कुल वजन लगभग एक किलो के आसपास था, चोरी कर ले गए। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने अनुसंधान शुरू किया। पुलिस टीम ने तकनीकी सहायता, आसूचना संकलन और गोपनीय जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए घटना को अंजाम देने वाले आरोपियों को चिन्हित किया। इस दौरान सांथा, महुवा (दौसा) हाल किरायेदार पटेलनगर, बांदीकुई निवासी राजकुमार उर्फ रवि पुत्र अमरसिंह मीणा तथा धौली गुमटी ग्यारसी वालों का बास, नारायणपुर, बसवा निवासी अमित कुमार सैनी पुत्र को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा एक बाल अपचारी को भी निरुद्ध किया गया है। थानाधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से चोरी गया सारा चांदी का सामान बरामद कर लिया गया है। साथ ही चोरी में इस्तेमाल की गई बिना नंबर की मोटरसाइकिल भी पुलिस ने जब्त कर ली है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी राजकुमार उर्फ रवि के खिलाफ जयपुर शहर पूर्व के विभिन्न थानों में पहले से ही तीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि कहीं वे अन्य चोरी की घटनाओं में भी शामिल तो नहीं रहे हैं।

मानटाउन क्लब में खेल अधोसंरचना को नई गति

-सिंथेटिक टेनिस, पिकलबॉल कोर्ट, जिम एवं टेबल टेनिस हॉल का उद्घाटन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय मानटाउन क्लब में खेल सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत सिंथेटिक टेनिस एवं पिकलबॉल कोर्ट, जिम तथा टेबल टेनिस हॉल का उद्घाटन गुरुवार को जिला कलक्टर काना राम द्वारा किया गया। उद्घाटन अवसर पर क्लब के सदस्यों में विशेष उत्साह देखने को मिला। जिला कलक्टर काना राम ने कहा कि खेल अधोसंरचना का विकास युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली की ओर प्रेरित करता है तथा उनमें अनुशासन, टीम भावना और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। उन्होंने मानटाउन क्लब द्वारा खेलों को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। क्लब के सचिव दीपक खुट्टर ने बताया कि मानटाउन क्लब में बैडमिंटन एवं लॉन टेनिस की नियमित कोचिंग अनुभवी एवं प्रोफेशनल प्रशिक्षकों द्वारा प्रदान की जा रही है। इच्छुक खिलाड़ी प्रतिदिन सायं 5 बजे से 7 बजे के बीच क्लब परिसर में संपर्क कर प्रशिक्षण से जुड़ सकते हैं। उद्घाटन समारोह के अंत में मानटाउन क्लब के अध्यक्ष एवं सचिव सहित सभी सदस्यों ने जिला कलक्टर काना राम का आभार व्यक्त करते हुए खेलों के माध्यम से शहर के युवाओं को आगे बढ़ाने के संकल्प को दोहराया।

दिव्यांग व ट्रांसजेंडर नव मतदाताओं के लिए झुंझुनूं में विशेष कैंप

झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। दिव्यांग एवं ट्रांसजेंडर नव मतदाताओं के मतदाता सूची में पंजीकरण हेतु विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत झुंझुनूं में कलस्टर कैंप आयोजित किए जाएंगे। सामाजिक सुरक्षा अधिकारी डॉ. निखिल कुमार ने बताया कि यह आयोजन जिला निर्वाचन अधिकारी (कलेक्टर) झुंझुनूं एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के निर्देशानुसार किया जा रहा है। दिव्यांग नव मतदाताओं के पंजीकरण हेतु 29 दिसंबर 2025 तथा ट्रांसजेंडर नव मतदाताओं के पंजीकरण हेतु 06 जनवरी 2026 को कार्यालय ब्लॉक सामाजिक सुरक्षा अधिकारी, झुंझुनूं में कैंप आयोजित होगा।

निर्वाचक नामावली विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत दस्तावेज सत्यापन के लिए दिशा-निर्देश दिए

पाली (रॉयल पत्रिका)। निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि में नाम सम्मिलित से संबंधित दस्तावेजों के सत्यापन के लिए शुक्रवार को निर्वाचन कार्यालय में आयोजित बैठक में सोजत, पाली, मारवाड़ जंक्शन के डीएलएमटी सहयोगी को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए।

निर्वाचन शाखा के जितेन्द्र जैन ने बताया कि आयोग एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार जिन मामलों में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा निर्वाचकों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं, उनमें पात्रता सिद्ध करने के लिए आयोग द्वारा निर्धारित दस्तावेज प्रस्तुत करना आवश्यक होगा। इन दस्तावेजों में पूर्व विशेष गहन पुनरीक्षण में दर्ज मैपिंग से संबंधित दस्तावेज भी सम्मिलित हो सकते हैं। प्रस्तुत दस्तावेजों को बीएलओ ऐप के माध्यम से अपलोड कर ईआरओ स्तर पर जांच की जाएगी।

उन्होंने बताया कि निर्वाचकों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों का सत्यापन जिला निर्वाचन अधिकारी के माध्यम से संबंधित जारीकर्ता अधिकारियों से ईसीआई-नेट पोर्टल पर दस्तावेज प्राप्ति की तिथि से पांच दिवस की अवधि में कराया जाएगा। यदि दस्तावेज राज्य के भीतर किसी अन्य जिले के प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया है, तो उसे ईसीआई-नेट के माध्यम से संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारी को सत्यापन के लिए प्रेषित किया जाएगा तथा सत्यापन उपरांत मूल जिले को वापस भेजा जाएगा। राज्य के बाहर स्थित किसी प्राधिकारी द्वारा जारी दस्तावेजों के मामलों में, जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा मुख्य निर्वाचन अधिकारी के माध्यम से संबंधित राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को तत्काल सत्यापन के लिए अनुरोध के साथ प्रेषित किया जाएगा। जिन दस्तावेजों का सत्यापन ऑनलाइन माध्यम से संभव है, उनका सत्यापन उसी माध्यम से कराया जाएगा।

उन्होंने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए आयोग द्वारा निर्धारित दस्तावेजों एवं उनके सत्यापन के लिए सक्षम जारीकर्ता अथवा प्राधिकृत अधिकारियों की सूची सुलभ संदर्भ के लिए संबंधित कार्यालयों को उपलब्ध करा दी गई है। उन्होंने समस्त उप जिला निर्वाचन अधिकारियों, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों तथा निर्वाचन कार्य से जुड़े सभी कार्मिकों से आयोग के निर्देशों की कड़ाई से पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में तुलसीराम, हेमन्त दवे, बसंत जोशी एवं विशाल श्रीवास्तव मौजूद रहे।

राजस्थान अन्य पिछडा वर्ग आयोग के सदस्य मोहन मोरवाल की उपस्थिति में सवाई माधोपुर में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। स्थानीय निकायों एवं पंचायती राज संस्थाओं में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को समुचित राजनीतिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की दिशा में राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग (राजनीतिक प्रतिनिधित्व) आयोग द्वारा शुक्रवार को जिला परिषद सभागार, में आयोग के माननीय सदस्य मोहन मोरवाल की अध्यक्षता एवं जिला प्रमुख सुदामा मीणा की उपस्थिति में जिला स्तरीय जनसंवाद एवं परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित किया गया। ओबीसी आयोग के जनसंपर्क अधिकारी विक्रम राठौड़ ने बताया कि कार्यक्रम में आयोग के माननीय सदस्य मोहन मोरवाल ने जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, प्रबुद्धजनों एवं विभिन्न हितधारकों से प्रत्यक्ष संवाद कर ओबीसी वर्ग से जुड़े सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक मुद्दों पर व्यापक फीडबैक प्राप्त किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला कलक्टर संजय शर्मा, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी शैलेन्द्र सिंह, उप निदेशक आर्थिक एवं सांख्यिकी डॉ. डिम्पल गुर्जर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान आयोग सदस्य मोहन मोरवाल ने कहा कि आयोग माननीय सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों की पालना में प्रदेश के ग्रामीण एवं शहरी स्थानीय निकायों में ओबीसी वर्ग के पिछड़ेपन की प्रकृति, उसके प्रभावों एवं वास्तविक स्थिति का पारदर्शी, प्रमाण आधारित और अनुभवजन्य अध्ययन कर रहा है। जनसंवाद के माध्यम से प्राप्त सुझावों के आधार पर आयोग एक समग्र एवं तथ्यपरक रिपोर्ट तैयार कर राज्य सरकार को प्रस्तुत करेगा, जिससे ओबीसी वर्ग को न्यायोचित राजनीतिक प्रतिनिधित्व का मार्ग प्रशस्त हो सके।

जनसंवाद में अहम सुझाव :-

इस दौरान खण्डार प्रधान नरेन्द्र चौधरी, देवपाल मीना, उप प्रधान इरफुद्दीन, प्रदेश अध्यक्ष पंचायत समिति सदस्य संघ राजस्थान, नारंगी मीणा, पंचायत समिति सदस्य प्रेम प्रकाश, संजय बैरवा, नाथ समाज अध्यक्ष हरिप्रसाद योगी, ओम सैनी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने जनसंख्या के अनुपात में ओबीसी को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने, मूल एवं अति पिछड़े वर्गों के संरक्षण, क्षेत्र की नाथ, योगी, सैनी, कुम्हार, नाई, राव, राणा, ढोली सहित अन्य वंचित तबकों तक आरक्षण का लाभ पहुंचाने तथा क्षेत्रीय सामाजिक-आर्थिक वास्तविकताओं के अनुरूप आरक्षण निर्धारण जैसे महत्वपूर्ण सुझाव आयोग के समक्ष रखे। प्रतिभागियों ने आशा जताई कि आयोग की अनुशंसाओं से ओबीसी वर्ग का राजनीतिक सशक्तिकरण सुनिश्चित होगा। सभी ने आयोग के इस प्रयास को लोकतांत्रिक व्यवस्था को अधिक समावेशी और संतुलित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

समावेशी लोकतंत्र की ओर सार्थक पहल :-

आयोग सदस्य मोहन मोरवाल ने विश्वास दिलाया कि सवाई माधोपुर सहित प्रदेश भर से प्राप्त सुझावों को गंभीरता से संकलित कर राज्य सरकार को प्रस्तुत किया जाएगा, ताकि स्थानीय निकायों एवं पंचायती राज संस्थाओं में ओबीसी वर्ग को प्रभावी, न्यायसंगत और स्थायी राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिल सके। आयोग ने स्थानीय निकायों में राजनीतिक आरक्षण से संबंधित सुझाव आयोग कार्यालय, ई-मेल अथवा व्यक्तिगत रूप से प्रस्तुत करने का भी आग्रह किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि तथा अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण से जुड़े संगठनों के पदाधिकारियों ने आयोग को अपने सुझाव सौंपे। आयोग द्वारा संबंधित अधिकारियों को प्राप्त अभ्यावेदनों को सूचीबद्ध करने के निर्देश दिए गए।

जापान में रिलीज होगी एनिमल, 1000 करोड़ क्लब में हो जाएगी शामिल

मुंबई। रणबीर कपूर की अदाकारी वाली फिल्म 'एनिमल' ने 2023 में रिलीज के वक्त बॉक्स ऑफिस पर काफी धमाल मचाया था। दो साल बाद अब यह फिल्म फिर से सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस बार यह फिल्म भारत में नहीं बल्कि जापान में रिलीज होने वाली है। मेकर्स ने बुधवार को सोशल मीडिया पर ऐलान किया कि रणबीर कपूर स्टारर यह फिल्म फरवरी 2026 में जापान में रिलीज होगी। भारत में इसने 553 करोड़ रुपये की कमाई की थी। वर्ल्डवाइड इसने 915 करोड़ रुपये कमाए थे। यह फिल्म भारत में अब तक सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक है। उम्मीद की जा रही है कि जापान में रिलीज होने के बाद यह फिल्म 1000 करोड़ के क्लब में शामिल हो जाएगी।

लाइफ Style

चित्रांगदा

गलवान सिर्फ फिल्म नहीं, बल्कि इमोशन

नेटफ्लिक्स की 'रात अकेली है-द बंसल मर्डर्स' में चित्रांगदा सिंह के किरदार को सराहा जा रहा है। जल्द वह बॉलीवुड के भाईजान यानी सलमान खान संग 'बैटल ऑफ गलवान' में भी नजर आएंगी। उन्होंने फिल्म के लेकर बात की।

एजेंसी ⏭ मुंबई

चित्रांगदा ने उम्मीद जताई है कि ये फिल्म उनके कॅरियर को नई दिशा देगी। 'रात अकेली है-द बंसल मर्डर्स' सोशल मीडिया पर छा चुकी है। फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी और चित्रांगदा सिंह की एक्टिंग को बहुत सराहा जा रहा है। अपने किरदार और फिल्म पर बात करते हुए चित्रांगदा सिंह ने कहा कि फिल्म में उनके किरदार में दुख है, टेंशन है, सस्पेंस है, और पावर भी है। एक ही समय पर एक किरदार अलग-अलग इमोशंस से जूझ रहा है और मेरे लिए एक एक्ट्रेस होने के नाते, मुझे इस किरदार के जरिए अपनी कला को दिखाने का मौका मिला है। अपनी फिल्म को मिल रही तारीफ को लेकर चित्रांगदा ने कहा कि ये दर्शकों का प्यार और हमारी टीम की मेहनत है, जहां दर्शकों ने हर किरदार को प्यार दिया है। मैं सबसे ज्यादा श्रेय राइटर्स को दूंगी, क्योंकि उन्होंने एक-एक लाइन को ऐसा लिखा है कि कुछ बदलाव करने की जरूरत ही नहीं थी और फिल्म थ्रिलर थी, तो किरदार के साथ एक्सपेरिमेंट भी नहीं कर सकते हैं।' सलमान खान के साथ फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' में काम करने के अनुभव पर चित्रांगदा ने कहा, 'गलवान' फिल्म सिर्फ फिल्म नहीं है, ये एक इमोशन है, क्योंकि फिल्म में मसाला देखने को नहीं मिलेगा। फिल्म में कई ऐसे सीन्स हैं जो आपको इमोशनल कर देंगे। ये एक कमर्शियल फिल्म है और उम्मीद है कि इससे मेरा कॅरियर और बेहतर होगा।

हॉलीवुड मसाला

बड़ी कीमत चुकाने का लिया फैसला

लॉस एंजिल्स। जुलाई महीने में कोल्ड प्ले के म्यूजिक कॉन्सर्ट में एक किस कंट्रोवर्सी हुई। जिसमें एक कंपनी एस्ट्रोनॉमर के सीईओ और एचआर का अफेयर चर्चा का विषय बन गया। दोनों को अपनी नौकरियां तक गंवानी पड़ी। अब महीनों बाद कंपनी की पूर्व एचआर एग्जीक्यूटिव क्रिस्टिन कैबोट ने इस मामले पर चुप्पी तोड़ी है। क्रिस्टिन कैबोट कहती हैं, 'मैंने एक गलत फैसला लिया। उस दिन थोड़ा ड्रिंक किया था। फिर अपने बॉस के साथ गलत तरीके से डांस किया, बिहेव किया।

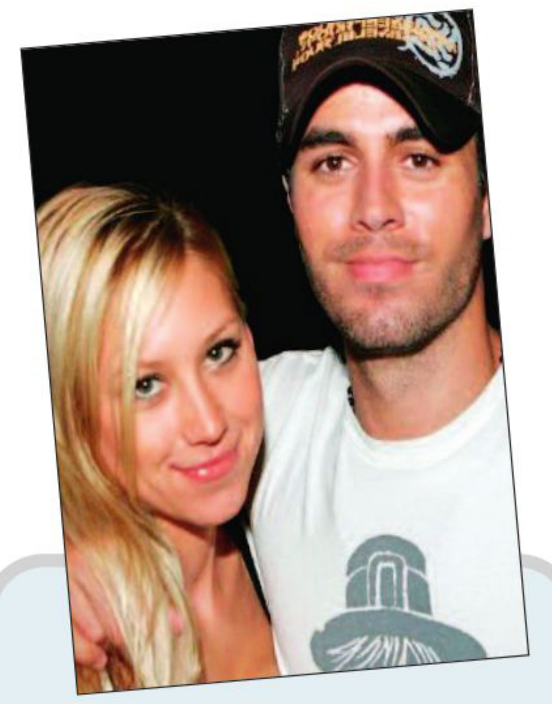

स्पेनिश गायक एनरिक ने किया चौथे बच्चे का स्वागत

लॉस एंजिल्स। स्पेनिश गायक-गीतकार एनरिक इग्लेसियस एक बार फिर पिता बन गए हैं। 50 वर्षीय एनरिक ने पूर्व टेनिस स्टार एना कोर्निकोवा के साथ 17 दिसंबर को अपने चौथे बच्चे का स्वागत किया। इंस्टाग्राम पर एना ने एक संयुक्त पोस्ट के जरिए फैंस के साथ इस गुड न्यूज को साझा किया है। साथ ही कपल ने बच्चे की पहली झलक भी दिखाई है। अपने बच्चे की झलक दिखाते हुए एना कोर्निकोवा और एनरिक ने कैप्शन में सिर्फ लिखा है, 'हमारी जिंदगी की रोशनी। कपल ने जो तस्वीर साझा की है, उसमें बच्चा सफेद रंग के एक ब्लेंकेट में लिपटा हुआ है। सिर पर टोपी लगाए बच्चे के पास एक टेडी बीयर भी रखा है। हालांकि, कपल ने अभी ये कंफर्म नहीं किया है कि ये बेटा है या बेटी। नए बच्चे का स्वागत करते ही एनरिक और एना का परिवार अब छह सदस्यों का हो गया है।

आज तक ऐसे अवतार में नजर नहीं आईं

मुंबई। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की नई फिल्म 'मैसा' का टीजर रिलीज हो चुका है। फिल्म से रश्मिका की पहली झलक सामने आ गई है। एक ऐसे अवतार में रश्मिका नजर आ रही हैं जो आजतक नजर नहीं आया है। मंदाना ने अब तक अपनी मासूम मुस्कान, चुलबुले किरदारों और रोमांटिक भूमिकाओं से दर्शकों के दिल जीते हैं, लेकिन उनकी आने वाली पैन-इंडिया फिल्म 'मैसा' का टीजर यह साफ कर देता है कि अभिनेत्री अब अपने करियर के एक बिल्कुल नए और साहसी मोड़ पर कदम रख चुकी हैं। हाल ही में रिलीज हुए टीजर में रश्मिका का ऐसा रूप देखने को मिला है, जिसने फैंस और इंडस्ट्री दोनों को चौंका दिया है। टीजर की शुरुआत में ही आवाज सुनाई देती है जो बताती है कि ये कहानी एक ऐसी बेटी की है जो मौत के सामने झुकने से इनकार कर देती है।

26 साल पुराना डांस वीडियो वायरल

मुंबई। अक्षय खन्ना एक तरफ जहां 'धुरंधर' को लेकर तारीफें बटोरने में जुटे हुए हैं वहीं उनके कई पुराने वीडियोज और इंटरव्यू अब सुर्खियों में हैं। अक्षय खन्ना ऐश्वर्या के साथ कई फिल्मों में काम कर चुके हैं और उन दिनों उनके अफेयर की भी खूब खबरें रही थीं। अब ऐश्वर्या के साथ अक्षय का 26 साल पुराना स्टेज परफॉर्मेंस वाला वीडियो सामने आया है, जिसमें दोनों अपनी ही फिल्म के फेमस गाने पर डांस करते दिख रहे हैं। अक्षय और ऐश्वर्या का ये वीडियो साल 1999 में हुए मियामी में स्टेज पर परफॉर्मेंस का है, जिसमें दोनों अपनी फिल्म के पॉप्युलर गाने पर डांस करते दिख रहे हैं। दोनों के इस वीडियो पर एक बार फिर से दर्शकों और फैन्स का प्यार बरस रहा है। आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' की रिलीज के साथ ही अक्षय की सादगी पर लोग एक बार फिर से फिदा हैं।

टीवी मसाला

द ग्रेट इंडियन कपिल शो में महिला क्रिकेट टीम

नई दिल्ली। कपिल शर्मा का शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का नया सीजन नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रहा है। पहले एपिसोड में प्रियंका चोपड़ा ने शिरकत की थी। अब वीकेंड एपिसोड में कॉमेडी और क्रिकेट के गौरव का रंग जमेगा। दूसरे एपिसोड में महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी आने वाली हैं, जिन्होंने हाल ही में ऐतिहासिक वर्ल्ड कप जीता है। पर फैंस के लिए बुरी खबर ये है कि स्मृति मंधाना नहीं आएंगी। कुछ दिनों पहले ही पलाश मुच्छल के साथ उनकी शादी टूटी है। 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में कैप्टन हरमनप्रीत कौर के साथ ऋचा घोष, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, रेणुका सिंह, हरलीन देओल, राधा यादव, प्रतिका रावल और मुख्य कोच अमोल मजूमदार नजर आएंगी। पर भारतीय क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना नदारद हैं। प्रोमो में दिखाया गया है कि ट्रॉफी उठाने से पहले हरमनप्रीत ने भांगड़ा किया था, जिसके बारे में उन्होंने बताया कि उन्हें स्मृति मंधाना ने ही प्रेरित किया था। जेमिमा ने कहा, 'हैरी दीदी हम लोगों की बात नहीं सुनती हैं। पर स्मृति ने बोला था कि अगर भांगड़ा नहीं किया तो मैं पूरी लाइफ बात नहीं करूंगी।' आप इस शो को 27 दिसंबर को रात 8 बजे नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं। प्रोमो वीडियो पर फैंस के रिएक्शन भी आ रहे हैं। एक ने कहा, 'स्मृति मिसिंग हैं।' दूसरे ने कहा, 'ये बहुत एंटरटेनिंग एपिसोड होगा।' एक और फैन ने स्मृति का जिक्र करते हुए कहा कि वो नहीं हैं।

दे दे प्यार दे 2 ओटीटी पर हो रही रिलीज

नई दिल्ली। बाप की उम्र का अधेड़ और अमीर आदमी, एक नए जमाने की चुलबुली लड़की। दोनों का इश्क, शादी की प्लानिंग और इस चक्कर में मची अफरा-तफरी। अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह स्टारर 'दे दे प्यार दे 2' सिनेमाघरों में बीते महीने 14 नवंबर 2025 को रिलीज हुई थी। 150 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भले ही 74.21 करोड़ रुपए की कमाई की, लेकिन इसने दर्शकों को थिएटर्स में हंसाया जरूर। अब यह फिल्म अगले महीने 9 जनवरी, 2026 को ओटीटी पर स्ट्रीमिंग की तैयारी कर रही है। 'दे दे प्यार दे 2' साल 2019 की पॉपुलर हिट रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'दे दे प्यार दे' का सीक्वल है। अंशुल शर्मा के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म की कहानी तरुण जैन और 'प्यार का पंचनामा' फेम लव रंजन ने लिखी है। यह लंदन में बसे आशीष चावला और उसकी गर्लफ्रेंड आयशा चौधरी की लव स्टोरी को आगे बढ़ाती है। पिछली फिल्म में हमने देखा था कि आशीष अपनी गर्लफ्रेंड को अपनी एक्स वाइफ और बप्चों से मिलवाता है।

नौशाद अली की यादों में हमेशा जिंदा रहा नवाबों का शहर...

नई दिल्ली। मशहूर संगीतकार नौशाद अली हिंदी फिल्मों के सबसे बड़े नामों में से एक हैं। उन्होंने सिर्फ 65-67 फिल्मों में ही संगीत दिया, लेकिन उनका संगीत आज भी लोगों के दिलों में बसता है। उन्होंने हिंदी सिनेमा में शास्त्रीय संगीत को लोकप्रिय बनाया और फिल्म संगीत को एक नई ऊंचाई दी। नौशाद अली का जन्म 25 दिसंबर 1919 को उत्तर प्रदेश के लखनऊ शहर में हुआ था। लखनऊ को नवाबों का शहर कहा जाता है, जो संस्कृति और संगीत का बड़ा केंद्र रहा है। उनके पिता वाहिद अली एक मुंशी थे। घर में संगीत को अच्छा नहीं माना जाता था, लेकिन नौशाद को बचपन से ही संगीत का बहुत शौक था।

लखनऊ की यादें : वह देवा शरीफ के मेले में जाते थे, जहां बड़े कव्वाल और संगीतकार गाते थे। उन्होंने उस्तादों से हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत सीखा। साइलेंट फिल्में देखकर नोट्स बनाते थे और हारमोनियम बजाने का मौका पाने के लिए एक दुकान पर काम करते थे। लखनऊ की गलियां और मुहल्ले उनकी यादों में हमेशा जिंदा रहे। उन्होंने एक गजल में लिखा था- 'वह गलियां, वह मुहल्ले, सब बन गए कहानी, मैं भी था लखनऊ का, यह बात है पुरानी।'

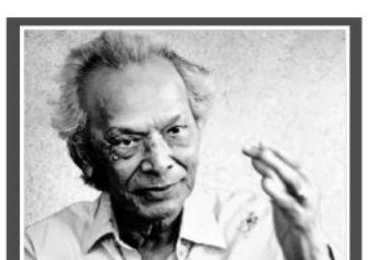

संघर्ष के दिन और मुंबई का सफर : 17 साल की छोटी उम्र में 1937 में नौशाद लखनऊ छोड़कर मुंबई चले गए। शुरुआती दिनों में बहुत संघर्ष किया। फुटपाथ पर सोना पड़ा। पहले बड़े संगीतकारों के सहायक बने। फिर 1940 में फिल्म 'प्रेम नगर' से स्वतंत्र संगीतकार के रूप में शुरुआत की। असली सफलता 1944 में फिल्म 'रतन' से मिली। इसके गाने इतने हिट हुए कि वह रातोंरात स्टार बन गए।

कॅरियर की चमक और मशहूर फिल्में : *नौशाद ने शकील बदायुनी जैसे गीतकारों और मोहम्मद रफी और लता मंगेशकर जैसे गायकों के साथ काम किया। उन्होंने रफी और लता को बहुत मौके दिए। उन्होंने उनकी फिल्मों में शास्त्रीय रागों का इस्तेमाल किया, जो उस समय नया था। उनकी कुछ मशहूर फिल्में हैं- 'बैजू बावरा', 'अंदाज', 'मदर इंडिया', 'मुगल-ए-आजम', 'गंगा जमुना' और राम और श्याम'। उन्होंने अपने संगीत से लोगों को कई फिल्मों में झूमने पर मजबूर किया।*

सम्मान और आखिरी सफर : *मुगल-ए-आजम को जब रंगीन किया गया, तो नौशाद बहुत खुश हुए। उनकी आखिरी फिल्म 'ताज महल' (2005) थी। उनके योगदान के लिए 1981 में दादासाहेब फाल्के पुरस्कार और 1992 में पद्म भूषण मिला। 5 मई 2006 को उनका निधन हो गया।*

वेलकम टू द जंगल में अक्षय का दिखा अलग अंदाज

मुंबई। अक्षय कुमार ने गुरुवार को क्रिसमस की शुभकामनाएं देते हुए अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने लिखा, 'वेलकम टू द जंगल की पूरी कास्ट की तरफ से आप सभी को क्रिसमस की हार्दिक शुभकामनाएं। फिल्म 2026 में सिनेमाघरों में आ रही है। मैं कभी इतने बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं रहा। हममें से कोई भी नहीं। हम आपको अपना तोहफा देने के लिए बेताब हैं। शूटिंग पूरी हो गई। शाबाश, दोस्तों! इसे साकार करने में शामिल सभी लोगों का बहुत बड़ा योगदान रहा। हमारी तरफ से आप सभी को 2026 के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं।' इसके साथ ही अक्षय ने एक वीडियो भी पोस्ट किया है। इस वीडियो में 'वेलकम टू द जंगल' की पूरी कास्ट नजर आ रही है। जाहिर है कि इस फिल्म में अब तक की सबसे बड़ी कास्ट नजर आ रही है, जिसमें कई दिग्गज कलाकार शामिल हैं। अक्षय के इस वीडियो में उनके अलावा सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, रवीना टंडन, तुषार कपूर, राजपाल यादव, परेश रावल, आफताब शिवदसानी, जैकलीन फर्नांडीज, जॉनी लीवर, पुनीत इस्सर, दिशा पाटनी समेत कई और एक्टर्स भी नजर आ रहे हैं।

क्रिसमस डे के मौके पर कई सेलेब्स ने करीबियों और दोस्तों को दी बधाई

तमन्ना ने सजाया ट्री, बिग बी ने उठाया कुकीज का लुत्फ

मुंबई। गुरुवार को पूरी दुनिया में क्रिसमस डे मनाया गया। इसे लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह रहा। कोई चर्च गया तो कोई क्रिसमस ट्री सजाया। क्रिसमस ईसाई धर्म का खास त्यौहार है, हालांकि इस दौर में इसे लगभग सभी लोग मनाते हैं। लोग अपने करीबियों और दोस्तों को बधाई देते हैं और सोशल मीडिया पर स्टेटस लगाते हैं। इसी तरह से कई सेलेब्स ने सोशल मीडिया पर क्रिसमस डे के मौके पर पोस्ट की है।

तमन्ना भाटिया : अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने क्रिसमस डे के मौके पर इंस्टाग्राम पर अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि वह क्रिसमस ट्री सजा रही हैं और उसके साथ पोज दे रही हैं। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा है 'हो हो हो मेरी क्रिसमस'।

बिग बी ने उठाया कुकीज का लुत्फ : क्रिसमस के अवसर पर अमिताभ बच्चन ने भी एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट से पोस्ट साझा कर लिखा क्रिसमस पर उन्होंने खास कुकीज मंगाकर खाईं। उन्हें इसका स्वाद इतना पसंद आया कि थोड़ी देर बाद फिर से मंगवाएंगे। उन्होंने जहां से ऑर्डर किया, उस दुकान का नाम भी बताया है।

शिल्पा शेट्टी : शिल्पा शेट्टी ने अपने पति और अपने बच्चों के साथ क्रिसमस मनाया है। वह अपने परिवार के साथ बाहर घूमने गई हैं और पोज दिए हैं।

बिपाशा बसु : अभिनेत्री बिपाशा बसु ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में वह अपने पति करण ग्रोवर के साथ रेड ड्रेस में डांस कर रही हैं। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा है 'मेरी क्रिसमस।'

मौनी रॉय : मौनी रॉय ने क्रिसमस के मौके पर लहंगे में पोज दिए हैं। पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने फैंस को क्रिसम की बधाई दी है।

सोनाक्षी सिन्हा-जहीर इकबाल : सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल ने क्रिसमस डे मनाया है। दोनों ने क्रिसमस ट्री के साथ अपनी तस्वीरें शेयर की हैं और क्रिसमस की बधाई दी है।

क्रिसमस पर दोस्तों संग जश्न में डूबीं स्मृति मंधाना

क्रिसमस के मौके पर खेल और मनोरंजन जगत में जश्न का माहौल देखने को मिला। इसी कड़ी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना भी दोस्तों के साथ क्रिसमस एंजॉय करती नजर आईं। स्मृति ने अपने करीबी दोस्तों और टीममेट्स के साथ सादगी भरे अंदाज में यह खास दिन मनाया, जिसकी झलक सोशल मीडिया पर भी देखने को मिली। टीम इंडिया की खिलाड़ी जेमिमा रोड्रिग्स ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर क्रिसमस सेलिब्रेशन की कई तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और अरुंधति रेड्डी की शानदार बॉन्डिंग साफ नजर आई। सभी खिलाड़ी साथ में मस्ती करती और त्योहार का आनंद लेती दिखीं। तस्वीरें शेयर करते हुए जेमिमा ने कैप्शन में लिखा, "घर से दूर घर जैसा माहौल।" क्रिसमस पार्टी की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं और फैंस इन पर खूब प्यार लुटा रहे हैं।

इस साल भारतीय क्रिकेट टीम ने नई ऊंचाइयों को तो छुआ, मगर कहीं खा गए मात

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नई दिल्ली भारतीय क्रिकेट टीम ने साल 2025 में एक परिवर्तनकारी दौर से गुजरी। इस साल आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने में असफल रहने के बाद टीम को शुभमन गिल के रूप में एक युवा कप्तान मिला।

रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद गिल को नया टेस्ट कप्तान नियुक्त किया गया। टेस्ट क्रिकेट में टीम का प्रदर्शन मिला-जुला रहा, वहीं सीमित ओवर क्रिकेट में टीम ने नई ऊंचाइयों को छुआ।

साल 2025 में टीम इंडिया ने हासिल की उपलब्धियां, साथ में निराशा भी

अपराजित रहते हुए जीता चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब

भारतीय टीम मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी को 3 बार जीतने वाली पहली टीम बनी थी। रोहित की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने दुबई में खेले गए एकतरफा फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर यह उपलब्धि हासिल की थी। खास बात यह रही कि टीम ने बिना कोई मैच हारे खिताब जीता था। टूर्नामेंट में यह उनका लगातार तीसरा फाइनल था। इसके साथ ही भारत ने अपना 7वां आईसीसी खिताब जीता, जो किसी भी टीम के लिए दूसरा सबसे अधिक खिताब हैं।

ओवल टेस्ट में दर्ज की ऐतिहासिक जीत

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के समापन के बाद गिल की कप्तानी में भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर गई। कड़े मुकाबले वाली एंडरसन-तेंडुलकर ट्रॉफी में भारत ने अंतिम टेस्ट जीतकर सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई। पांच टेस्ट मैचों में 1,000 से अधिक गेंदें फेंकने वाले मोहम्मद सिराज ने ओवल में निर्णायक जीत दिलाकर सीरीज बराबर की। उनकी 143 किमी प्रति घंटे की यॉर्कर ने भारत को 6 रन से जीत दिलाई। इंग्लैंड 374 रनों का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाई।

रोहित-कोहली की वापसी

भारत ने अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया और 3 मैचों की वनडे सीरीज खेली। रोहित को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। लगातार 2 मैचों में शून्य पर आउट होने वाले कोहली ने आखिरी वनडे में अर्धशतक बनाया।

भारत ने जीता एशिया कप में अपना 9वां खिताब

इसके बाद भारतीय टीम सितंबर में टी-20 एशिया कप के लिए यूएई गई। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम ने फाइनल समेत अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 3 बार हराकर अपराजित रहते हुए जीत दर्ज की। अभिषेक शर्मा ने पूरे अभियान में अहम भूमिका निभाई। फाइनल में तिलक वर्मा ने 53 गेंदों पर 69* रनों की अपनी स्थिर पारी से महत्वपूर्ण योगदान दिया। भारत ने अपना 9वां एशिया कप खिताब (वनडे और टी-20 अंतरराष्ट्रीय मिलाकर) जीता।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में हार

वेस्टइंडीज को हराने के बाद भारत कोलकाता टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका से 30 रनों से हार गया। भारत 124 रनों के लक्ष्य का पीछा नहीं कर पाया। गुवाहाटी में जीत हासिल करने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 2-0 से हराया। प्रोटियाज ने 548 रनों का सफलतापूर्वक बचाव किया और अंतिम दिन भारत को 140 रनों पर ऑल आउट कर दिया। इससे दक्षिण अफ्रीका ने साल 2000 के बाद भारत में अपनी पहली टेस्ट सीरीज जीतने में सफल रहा।

भारत की टेस्ट टीम के लिए एक और बड़ी निराशा

गुवाहाटी में भारत को टेस्ट क्रिकेट में अपनी सबसे बड़ी हार (408 रन) मिली, जिसने 2004 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली 342 रनों की हार का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में 3-0 से हार मिली थी।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीती वनडे और टी-20 सीरीज

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में भारत ने शानदार वापसी की। इस सीरीज में भारत ने 2-1 से जीत हासिल की और कोहली ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन दोहराया। सीरीज में उन्होंने 2 लगातार शतक और एक अर्धशतक जड़ा। इसके लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। इसके बाद, भारत ने 5 मैचों की टी-20 सीरीज में दक्षिण अफ्रीका को 3-1 से हराया। यह भारत की लगातार 8वीं द्विपक्षीय टी-20 सीरीज जीत थी।

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिपः श्रुति और पारुल अगले दौर में

विजयवाड़ा। अनुभवी शटलर श्रुति मुंडाडा तथा उभरती खिलाड़ी पारुल चौधरी और तन्वी पात्री ने राष्ट्रीय सीनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप में गुरुवार को अपने से अधिक रैंकिंग वाली खिलाड़ियों को हराकर महिला एकल के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। श्रुति ने सातवीं वरीयता प्राप्त जिया रावत को 21-14, 21-9 से, जबकि पारुल ने नौवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को 18-21, 21-18, 21-12 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। तन्वी पात्री ने आठवीं वरीयता प्राप्त इशरानी बरुआ को 22-20, 21-19 से हराकर उलटफेर किया।शीर्ष वरीयता प्राप्त उन्नति हुडा, दूसरी वरीयता प्राप्त अनुपमा उपाध्याय, तीसरी वरीयता प्राप्त अनमोल खरब और विश्व जूनियर रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा भी अगले दौर में पहुंच गईं हैं।

जीव कोलंबो में जीते पुखराज रहे टॉप पर

कोलंबो। भारत के महान गोल्फर जीव मिल्खा सिंह ने 13 साल का इंतजार खत्म करते हुए आईजीपीएल आमंत्रण श्रीलंका टूर्नामेंट जीतकर आईजीपीएल के पहले सत्र का शानदार अंत किया। वर्ष 2012 के बाद से प्रो टूर्नामेंट नहीं जीत सके 54 साल के जीव ने छह अंडर 65 और कुल 15 अंडर का स्कोर करके आर्यन रूपा आनंद को एक शॉट से हराया। भारत के ही पुखराज सिंह गिल संयुक्त 12वें स्थान पर रहने के बावजूद आईजीपीएल आर्डर आफ मेरिट जीत गए। उन्होंने अमन राज और गगनजीत भुल्लर को मामूली अंतर से हराया। जीत के बाद जीव मिल्ख्वा सिंहन ने आंसू पोछते हुए कहा मैने श्रीलंका में पहले कभी नहीं खेला है। मेरे लिये यह भावुक पल है क्योंकि यही वह जगह है जहां मेरे माता पिता में प्रेम हुआ और उनके रिश्ते की शुरूआत हुई।

जीत के साथ दुबई कैपिटल्स प्लेआफ में

दुबई। शायन जहांगीर और जोर्डन कॉक्स के अर्धशतकों की मदद से गत चैम्पियन दुबई कैपिटल्स ने विश्व आईएलटी20 में शारजाह वारियर्स को छह विकेट से हराकर प्लेआफ में जगह बना ली। जहांगीर ने विकेट के पीछे भी शानदार प्रदर्शन करते हुए खतरनाक बल्लेबाज टॉम कोहलेर कैडमोर को आउट किया। जीत के लिये 135 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दुबई कैपिटल्स ने जहांगीर और कॉक्स के बीच 63 गेंद में 76 रन की साझेदारी की मदद से आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। कॉक्स 50 गेंद में 61 रन बनाकर नाबाद रहे।

एशेज सीरीज 2025-26: फिलहाल 3-0 से आगे चल रही ऑस्ट्रेलियाई टीम

चौथा बॉक्सिंग डे टेस्ट आज से : ऑस्ट्रेलिया की कमान संभालेंगे स्मिथ, इंग्लैंड ने किए कई बदलाव

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

एशेज सीरीज 2025-26 का चौथा और बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच 26 दिसंबर से मेलबर्न में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम सीरीज में 3-0 से अजेय बढ़त ले चुकी है।

पैट कमिंस चोटिल होने के कारण चौथे मुकाबले से बाहर हो गए हैं। ऐसे में एक बार फिर स्टीव स्मिथ कप्तानी करते हुए नजर आएंगे। इंग्लैंड ने भी अपनी प्लेइंग इलेवन में कई बदलाव किए हैं। ऐसे में जहां ऑस्ट्रेलियाई टीम लगातार चार टेस्ट मैच जीतने का रिकॉर्ड बनाने आतुर है वहीं इंग्लैंड किसी भी प्रकार एक टेस्ट मैच ड्रा कराकर या जीतकर ऑस्ट्रेलिया के विजयरथ को रोकना चाहेगी।

इंग्लैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा रहा है भारी

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच अब तक 364 टेस्ट मैच खेले गए हैं। इस दौरान कंगारू टीम को 155 मुकाबलों में जीत मिली है। इंग्लैंड ने 112 मैच अपने नाम किए हैं। दोनों टीमों के बीच 97 मुकाबले ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया की सरजमीं पर दोनों टीमों के बीच अब तक 188 टेस्ट मुकाबले खेले गए हैं। 102 मैच ऑस्ट्रेलिया ने जीते हैं और 57 में उसे हार मिली है। 29 मुकाबले ड्रॉ पर समाप्त हुए।

इंग्लैंड टीम

इंग्लैंड की टीम में जोफ्रा आर्चर और ओली पोप को शामिल नहीं किया गया है। उनकी जगह जेकब बेथेल और गस एटकिंसन की वापसी हुई है। आर्चर चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर हुए हैं। पोप को उनकी खराब फॉर्म के कारण प्लेइंग इलेवन से बाहर किया गया है।

इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन : जैक क्रॉली, बेन डकेट, जैकब बेथेल, जो रूट, हैरी बूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ, विल जैक्स, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स और जोश टंग।

ऑस्ट्रेलिया टीम

ऑस्ट्रेलिया ने चौथे टेस्ट के लिए 12 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। टीम में तेज गेंदबाजों को ज्यादा मौके मिले हैं। नाथन लियोन चोटिल होने के कारण इस टेस्ट से बाहर हो गए हैं। हालांकि, इसके बावजूद टीम काफी मजबूत नजर आ रही है।

ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग इलेवन : ट्रेविस हेड, जेक वेदराल्ड, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ (कप्तान), उस्मान ख्वाजा, एलेक्स केरी (विकेटकीपर), कैमरून ग्रीन, मिचेल स्टार्क, स्कॉट बोलैंड, ब्रेंडन डॉगेट और माइकल नेसर/ झाय रिचर्डसन।

इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर होंगी नजरें

हेड ने पिछले 10 टेस्ट मैच में 42.17 की औसत से 759 रन बनाए हैं। केरी के बल्ले से पिछले 10 मुकाबलों में 53.07 की शानदार औसत से 743 रन निकले हैं। इंग्लैंड के लिए रूट ने पिछले 10 मुकाबलों में 54.75 की शानदार औसत से 876 रन बनाए हैं। गेंदबाजी में स्टार्क ने पिछले 10 मैच में 51 विकेट चटकाए हैं। इंग्लैंड के लिए स्टोक्स ने पिछले 9 मुकाबलों में 32 विकेट अपने नाम किए हैं।

न्यूजीलैंड से होगी भिड़ंत

नए साल की पहली वनडे सीरीज जीतने उतरेगी शुभमन ब्रिगेड

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम को 11 जनवरी, 2026 से न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ वनडे सीरीज खेलनी है। भारतीय टीम ने नवंबर 2025 में अपनी पिछली वनडे सीरीज दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के विरुद्ध खेली थी और उसे 2-1 से जीता था। शुभमन गिल की कप्तानी में भारत आगामी सीरीज में कीवी टीम के खिलाफ भी उम्दा प्रदर्शन करना चाहेगी। इस बीच भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे क्रिकेट के प्रदर्शन पर एक नजर डालते हैं।

भारत का पलड़ा रहा है भारी

अब तक दोनों टीमों की भिड़ंत में भारतीय टीम का पलड़ा भारी रहा है। क्रिकइंफो के मुताबिक, दोनों टीमें कुल 120 वनडे में आमने-सामने हुई हैं, जिसमें से 62 मैच भारत ने जीते हैं और 50 में शिकस्त का सामना किया है। इस बीच 7 मैच बेनतीजा रहे हैं और 1 मैच टाई रहा है। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सर्वोच्च स्कोर 397 रन और न्यूनतम स्कोर 88 रन बनाया है।

भारत में कोई वनडे सीरीज नहीं जीत सकी है न्यूजीलैंड की टीम

अब तक दोनों टीमें कुल 17 द्विपक्षीय वनडे सीरीज में आमने-सामने हुई हैं, जिसमें से 9 सीरीज भारतीय टीम ने जीती हैं और 6 सीरीज न्यूजीलैंड ने अपने नाम की हैं। इस बीच 2 सीरीज ड्रॉ रही हैं। अपने देश में खेलते हुए भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सभी 7 सीरीज जीती है। दिलचस्प रूप से कीवी टीम ने 1988 में भारत में पहली बार सीरीज खेली थी और अब तक सीरीज नहीं जीती है।

न्यूजीलैंड से इन खिलाड़ियों का रहा है अच्छा प्रदर्शन

रॉस टेलर ने भारत के खिलाफ 47.75 की औसत से 1,385 रन (शतक-3) बनाए थे। भारत के विरुद्ध केन विलियमसन ने 44.25 की औसत से 1,239 रन, और डेरिल मिचेल ने 48.62 की औसत से 389 रन बनाए हैं। गेंदबाजी में टिम साउथी ने भारतीय टीम के खिलाफ 24 पारियों में 36.23 की औसत से 38 विकेट लिए थे। काइल मिल्स ने 34.53 की औसत से 29 पारियों में 32 विकेट लिए थे।

लिस्ट-ए क्रिकेट में

विराट- सचिन सहित इन बल्लेबाजों ने पूरे किए सबसे तेज 16,000 रन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में अपने पहले मुकाबले में शतक लगाया। दिल्ली क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने आंध्र प्रदेश क्रिकेट टीम के विरुद्ध 131 रन की पारी खेली। इस बीच उन्होंने अपने लिस्ट-A क्रिकेट करियर में 16,000 रन पूरे किए। इस दौरान लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे कम पारियों में ये आंकड़ा छूने वाले बल्लेबाजों के बारे में जानते हैं।

विराट कोहली (330 पारियां)

कोहली ने आंध्र प्रदेश के खिलाफ मैच में 101 गेंदों का सामना करते हुए 14 चौके और 3 छक्के की मदद से 131 रन बनाए। कोहली ने 2006 में दिल्ली की ओर से खेलते हुए अपने लिस्ट-ए करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने अब तक 343 मैचों की 330 पारियों में 16,000 से अधिक रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 183 रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ 58 शतक और 84 अर्धशतक लगाए हैं।

सचिन तेंदुलकर (391 पारियां)

पूर्व महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने 391 पारियों में अपने लिस्ट लिस्ट-ए करियर के 16,000 रन पूरे किए थे। उन्होंने अपने लिस्ट-ए क्रिकेट करियर में कुल 551 मैच खेले, जिसकी 538 पारियों में 45.54 की औसत के साथ 21,999 रन बनाए थे। इस बीच उन्होंने सर्वाधिक 60 शतक और 114 अर्धशतक लगाए थे। उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 200 रन रहा। तेंदुलकर लिस्ट-ए क्रिकेट के इतिहास में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।

गॉर्डन ग्रीनिज (422 पारियां)

वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज गॉर्डन ग्रीनिज ने 422 पारियों में लिस्ट-ए क्रिकेट में 16,000 रन पूरे किए थे। उन्होंने 440 मैचों की 436 पारियों में 40.56 की औसत के साथ 16,349 रन बनाए थे। उन्होंने 186* रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ 33 शतक और 94 अर्धशतक भी अपने नाम किए थे। वह विवियन रिचर्ड्स के बाद वेस्टइंडीज से दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे।

रिकी पोंटिंग (430 पारियां)

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने 430 पारियों में अपने 16,000 लिस्ट-ए रन पूरे किए थे। अपने लिस्ट-ए करियर में उन्होंने कुल 456 मैच खेले थे, जिसमें 41.74 की औसत के साथ 16,363 रन बनाए थे। इस बीच उन्होंने 34 शतक और 99 अर्धशतक लगाए थे। अपने वनडे करियर में उन्होंने 375 मैच खेले थे, जिसमें 42.03 की औसत से 13,704 रन अपने नाम किए थे। अपने वनडे करियर में उन्होंने 30 शतक भी जड़े थे।

भारत-श्रीलंका के बीच तीसरा टी20 आज भारत की नजरें सीरीज जीतने पर

तिरूवनंतपुरम। आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय टीम अपनी लय को कायम रखते हुए खराब फॉर्म से जूझ रही श्रीलंकाई टीम के खिलाफ शुक्रवार को तीसरा टी20 मैच और पांच मैचों की श्रृंखला जीतने के इरादे से उतरेगी। भारत ने विशाखापत्तनम में पहले दो टी20 मैचों में क्रमशः आठ और सात विकेट से जीत दर्ज की है।

भारत की यह पिछले 11 टी20 मैचों में नौवीं जीत थी। श्रीलंका ने आखिरी बार भारत को जुलाई 2024 में दाम्बुला में हराया था। मैच आज शाम 7 बजे से तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा।

भारत की सभी खिलाड़ी अभी फॉर्म पर

मेजबान टीम के पास शानदार बल्लेबाजी क्रम है और पिछले दोनों मैचों में अलग अलग खिलाड़ियों ने जीत दिलाई है। पहले मैच में जहां जेमिमा रौड्रिग्स चली तो दूसरे में शेफाली वर्मा जीत की सूत्रधार रहीं। भारत की गेंदबाजी ईकाई भी उतनी ही दमदार है और स्पिनरों ने पहले मैच में श्रीलंका को छह विकेट पर 121 और दूसरे में नौ विकेट पर 128 रन पर रोक दिया। युवा एन श्रीचरणी, वैष्णवी शर्मा और क्रांति गौड़ ने अनुशासित, नियंत्रित और प्रभावी गेंदबाजी की है।

विजय हजारे ट्रॉफी के इतिहास में तीन टीमों ने हासिल किया है सबसे बड़ा लक्ष्य

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कर्नाटक क्रिकेट टीम ने 24 दिसंबर 2025 को लिस्ट-ए क्रिकेट में नया इतिहास रच दिया। मयंक अग्रवाल की कप्तानी में टीम ने विजय हजारे ट्रॉफी में झारखंड के खिलाफ 413 रनों का विशाल लक्ष्य हासिल कर लिया। एलीट ग्रुप-ए के इस मुकाबले में कर्नाटक ने टूर्नामेंट के इतिहास का सबसे बड़ा सफल रन चेज दर्ज किया। दिलचस्प बात यह रही कि इसी दिन बंगाल ने भी विजय हजारे ट्रॉफी का संयुक्त तीसरा सबसे बड़ा रन चेज अपने नाम किया।

कर्नाटक 413 रन बनाम झारखंड, अहमदाबाद (2025)

कप्तान ईशान किशन की महज 33 गेंदों में तूफानी शतकीय पारी की बदौलत झारखंड ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 412 रन बनाए। इस दौरान विराट सिंह और कुमार कुशाग्र ने भी तेज अर्धशतक जड़े। कर्नाटक की ओर से अभिलाष शेट्टी ने 4/72 के आंकड़े दर्ज किए। जवाब में कर्नाटक ने 15 गेंद शेष रहते 413 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। देवदत्त पडिक्कल ने शानदार 147 रन, जबकि कप्तान मयंक अग्रवाल ने 54 रन की अहम पारी खेली।

आंध्र क्रिकेट टीम 384 रन बनाम गोवा, बेंगलुरु (2012)

विजय हजारे ट्रॉफी का दूसरा सबसे बड़ा रन चेज भी आंध्र क्रिकेट टीम के नाम दर्ज है। 2011-12 सीजन में पहले बल्लेबाजी करते हुए गोवा ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 383 रन बनाए।

बंगाल- 383 रन बनाम विदर्भ, राजकोट (2025)

विदर्भ ने अमन मोखाडे (110) और ध्रुव शौरी (136) के शतकों की बदौलत 5 विकेट पर 382 रन बना दिए। अंतिम ओवरों में नचिकेत भुटे और हर्ष दुबे ने तेज रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

अलविदा 2025 : शुभमन ने 16 पारियों में बनाए 983 रन

टेस्ट में इस साल चला गिल का बल्ला, ठोके राहुल से ज्यादा रन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

साल 2025 में भारतीय क्रिकेट टीम के कई बल्लेबाजों ने अपनी तकनीक और निरंतरता से बेहतरीन प्रदर्शन किया।

घरेलू मैदान या विदेशी पिचें, इन खिलाड़ियों ने लंबी और महत्वपूर्ण पारियां खेलकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। कठिन परिस्थितियों में भी उनकी बल्लेबाजी ने रन बनाने में निरंतरता दिखाई। ऐसे में आइए जानते हैं उन भारतीय बल्लेबाजों के बारे में, जिन्होंने 2025 में टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाए और अपनी कड़ी मेहनत का परिणाम दिखाया।

शुभमन गिल

(983 रन)

इस सूची में पहले स्थान पर भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल हैं। उनके बल्ले से साल 2025 में खूब रन निकले। इस खिलाड़ी ने 9 मुकाबले खेले और इसकी 16 पारियों में 70.21 की उम्दा औसत के साथ 983 रन बनाए। उनके बल्ले से 5 शतक और 1 अर्धशतक निकला। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 269 रन रहा। गिल 2 पारियों में नाबाद भी रहे। वह कुल मिलाकर दुनिया में भी टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे।

केएल राहुल (813 रन)

इस सूची में दूसरे स्थान पर भारतीय टीम के एक और स्टार बल्लेबाज केएल राहुल हैं। उन्होंने इस साल 10 टेस्ट मैच खेले और इसकी 19 पारियों में 45.16 की शानदार औसत के साथ 813 रन बनाने में सफल रहे। उनके बल्ले से 3 शतक और 3 अर्धशतक निकले। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 137 रन रहा। राहुल 1 बार नाबाद भी रहे। इस खिलाड़ी के बल्ले से 100 चौके और 4 छक्के निकले।

रविंद्र जडेजा (764 रन)

स्टार ऑलराउंडर खिलाड़ी रविंद्र जडेजा सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ियों में तीसरे स्थान पर हैं। उन्हें इस साल 10 टेस्ट मैच खेलने का मौका मिला। इस दौरान उन्होंने 17 पारियों में बल्लेबाजी की और 63.66 की बेहतरीन औसत के साथ 764 रन बनाने में सफल रहे। उनके बल्ले से साल 2025 में 2 शतक और 6 अर्धशतक निकले। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 107 रन रहा। जडेजा ने 53.46 की स्ट्राइक रेट से इस साल बल्लेबाजी की।

यशस्वी जायसवाल (745 रन)

भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। उन्होंने साल 2025 में 10 टेस्ट मैच खेले थे। इसकी 19 पारियों में उन्होंने 39.21 की औसत के साथ 745 रन बनाने में सफल रहे। उनके बल्ले से 3 शतक और 3 अर्धशतक निकले। इस साल उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 175 रन रहा। यशस्वी ने साल 2025 में 66.16 की शानदार स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की।

दुनियाभर में क्रिसमस का जश्न, पीएम मोदी ने कैथेड्रल चर्च में की प्रार्थना

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दुनियाभर में प्रभु यीशु का जन्मदिन (क्रिसमस) मनाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क्रिसमस समारोह के उपलक्ष्य में गुरुवार तड़के राजधानी दिल्ली के कैथेड्रल चर्च ऑफ द रिडेम्पशन पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली और उत्तरी भारत के कई ईसाई अनुयायियों के साथ दिल्ली के कैथेड्रल चर्च ऑफ द रिडेम्पशन में क्रिसमस की सुबह की प्रार्थना सभा में भाग लिया। इस प्रार्थना सभा में प्रार्थनाएं, कैरल, भजन और प्रधानमंत्री के लिए विशेष प्रार्थना शामिल थी, जिसे दिल्ली के बिशप डॉ. पौल स्वरूप ने किया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'दिल्ली के कैथेड्रल चर्च ऑफ द रिडेम्पशन में क्रिसमस की सुबह की प्रार्थना सभा में भाग लिया। प्रार्थना सभा में प्रेम, शांति और करुणा का शाश्वत संदेश झलक रहा था। आशा है कि क्रिसमस की भावना हमारे समाज में सद्भाव और मेलजोल को प्रेरित करेगी।

राष्ट्रपति मुर्मु ने भी दी शुभकामनाएं

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्म ने भी नागरिकों को क्रिसमस की बधाई दी। राष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, 'क्रिसमस के इस शुभ अवसर पर, मैं सभी नागरिकों, विशेषकर ईसाई समुदाय के भाइयों और बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई देती हूं।' राष्ट्रपति ने लिखा, 'क्रिसमस, आनंद और उत्साह का त्योहार, प्रेम और करुणा का संदेश देता है। यह हमें मानवता के कल्याण के लिए प्रभु यीशु मसीह की ओर से किए गए बलिदान की याद दिलाता है। यह पवित्र अवसर हमें समाज में शांति, सद्भाव, समानता और सेवा के मूल्यों को और मजबूत करने के लिए प्रेरित करता है।' उन्होंने कहा, 'आइए हम यीशु मसीह की ओर से दिखाए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लें और एक ऐसे समाज के निर्माण की दिशा में काम करें जो दया और पारस्परिक सद्भाव को बढ़ावा दे।'

राहुल और अन्य नेताओं ने भी दीं शुभकामनाएं

उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने भी लिखा, 'सभी को आशा, प्रेम और दया से भरपूर क्रिसमस की हार्दिक शुभकामनाएं। ईश्वर हमें प्रेरित करें कि हम सशक्त और अधिक दयालु समुदाय बनाएं, और उनकी शिक्षाएं हमारे बंधनों को मजबूत करें और स्थायी शांति को बढ़ावा दें।' इसी बीच, लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी क्रिसमस की शुभकामनाएं देते हुए अपना एक वीडियो जारी किया। गांधी ने कहा, 'सभी को क्रिसमस की हार्दिक शुभकामनाएं! यह मौसम आपके जीवन में आनंद, सुख और समृद्धि लाए और आपके जीवन को प्रेम और करुणा से भर दे।'

जीसस के जन्म स्थान पर दो साल बाद क्रिसमस सेलिब्रेशन

पोप लियो ने वेटिकन में चर्च का दरवाजा खोलकर किया आगाज

यरुशलम/वेटिकन सिटी। दुनियाभर में क्रिसमस के उत्सव की शुरुआत हो चुकी है। ईसाई धर्म के अनुयायी यीशु मसीह के जन्म का जश्न मना रहे हैं येरूशलम के नजदीक मौजूद यीशु मसीह के जन्म स्थान बेथलेहम में इस बार पूरे दो साल बाद धूम-धाम से उत्सव मनाया जा रहा है। चर्च ऑफ द नेटिविटी के पास स्थित मैंगर स्क्वायर में बड़ा क्रिसमस ट्री लगाया गया। ईसाईयों के सर्वोच्च धर्मगुरु 14वें पोप लियो मई में चुने जाने के बाद पहली बार क्रिसमस सेलिब्रेशन की अध्यक्षता कर रहे हैं। पोप ने वेटिकन सिटी में 24 दिसंबर की रात सेंट पीटर बेसिलका चर्च का पवित्र दरवाजा खोलकर क्रिसकम के जश्न की शुरुआत की।

खबर संक्षेप

कपिल और प्रोड्यूसर के खिलाफ केस दर्ज

मुंबई। कॉमेडियन-एक्टर कपिल शर्मा और उनके शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा' के प्रोड्यूसर के खिलाफ कॉपीराइट उल्लंघन मामले में केस दर्ज हुआ है। ये केस कॉपीराइट सोसाइटी फोनोग्राफिक परफॉर्मेंस लिमिटेड की तरफ से बॉम्बे हाईकोर्ट में किया गया है। केस में कपिल के साथ प्रोडक्शन कंपनियों K9 फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड और बीइंगयू स्टूडियोज प्राइवेट लिमिटेड को आरोपी बनाया गया है। सोसाइटी ने कोर्ट से शो में कॉपीराइट साउंड रिकॉर्डिंग के इस्तेमाल पर रोक लगाने की मांग की है।

महिला के साथ छेड़खानी फिल्ममेकर गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम। केरल के कैंटोनमेंट पुलिस ने मंगलवार को पूर्व विधायक और फिल्म निर्देशक कुंजू मुहम्मद को अंतरराष्ट्रीय केरल फिल्म महोत्सव (आईएफएफके) के लिए फिल्म चयन के दौरान होटल में कथित छेड़खानी के मामले में गिरफ्तार किया। पीड़ित महिला ने शिकायत दर्ज कराई कि कुंजू ने उसे होटल के कमरे में बुलाया और गलत व्यवहार किया। पुलिस ने जांच के दौरान उनकी गिरफ्तारी दर्ज की, लेकिन अदालत से पहले ही मिली अग्रिम जमानत के कारण उन्हें तुरंत रिहा कर दिया गया।

पूर्व विधायक को उन्नाव रेप केस में पिछले दिनों दी गई है जमानत

सेंगर को जमानत कैसे? हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर

दो वकील ने दायर की है याचिका, सीबीआई भी फैसले को देगी चुनौती

8 साल से इंसाफ की जंग लड़ रही पीड़िता

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को दिल्ली हाईकोर्ट ने उन्नाव रेप केस में जमानत दे दी थी। दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले में सेंगर को सुनाई गई सजा भी सस्पेंड कर दी थी। सेंगर को मिली जमानत का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। वकील अंजले पटेल और पूजा शिल्पकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी है। याचिकाकर्ता वकील अंजले पटेल और पूजा शिल्पकार ने सुप्रीम कोर्ट से कुलदीप सेंगर की जमानत रद्द करने की गुहार लगाई है।

याचिकाकर्ता अंजले और पूजा, दोनों ही इस मामले में कभी पक्षकार नहीं रहे हैं। इन दोनों में से कोई न तो निचली अदालत, ना ही हाईकोर्ट में ही कभी पक्षकार रहे. इस मामले से जुड़े पक्षकार केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और पीड़तिा पहले ही हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की बात कह चुके हैं।

पीड़िता व उसकी मां ने प्रोटेस्ट भी किया

पीड़िता ने सेंगर को दिल्ली हाईकोर्ट से जमानत मिलने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि हम अब पीछे हटने वाले नहीं हैं। जमानत जब तक खारिज नहीं होती, हम चुप नहीं बैठेंगे। सुप्रीम कोर्ट पर पूरा भरोसा जताते हुए पीड़िता ने कहा है कि हम वहां याचिका दायर करेंगे। दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के बाद पीड़िता और उसकी मां ने इंडिया गेट पर प्रोटेस्ट करने की भी कोशिश की, जहां पुलिस ने यह कहकर हटा दिया कि यहां धरने की अनुमति नहीं है।

नाबालिग लड़की की किडनैपिंग रेप का दोषी है पूर्व विधायक सेंगर

यह मामला 2017 का है। 4 जून 2017 को 17 वर्षीय नाबालिग लड़की ने आरोप लगाया कि उन्नाव से तत्कालीन बीजेपी विधायक सेंगर ने उसके साथ बलात्कार किया। पीड़िता का कहना था कि वह नौकरी दिलाने में मदद के बहाने विधायक से मिलने गई थी। वहीं पर उसका जबरन यौन शोषण किया गया। रेप का आरोप लगाने के कुछ ही दिन बाद पीड़िता अचानक लापता हो गई। कई दिनों बाद पीड़िता औरैया जिले के एक गांव से बरामद हुई। इस घटना ने मामले को और संदिग्ध बना दिया। परिवार ने आरोप लगाया कि पीड़िता पर दबाव बनाया जा रहा है। 2017 के पूरे साल में यह केस ठंडे बस्ते में पड़ा रहा। आरोपी विधायक खुलेआम घूमता रहा और पीड़िता को लगातार धमकियां मिलने की बात सामने आई।

2018 में पिता पर हमला

3 अप्रैल 2018 को पीड़िता के पिता को कथित तौर पर अतुल सिंह और उसके सहयोगियों ने बेरहमी से पीटा। पिटाई के बाद गंभीर हालत में पीड़िता के पिता को ही पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने उल्टा उनके खिलाफ ही मामला दर्ज कर लिया। बाद में पिता की मौत भी हो गई। यह घटना केस में एक निर्णायक मोड़ साबित हुई और सीबीआई जांच के बाद 13 अप्रैल 2018 को सेंगर को गिरफ्तार किया गया। लेकिन पीड़िता और उसके परिजनों को प्रताड़ित करने का सिलसिला नहीं थमा और इधर सेंगर मामले में भी कोई गति नहीं हुई।

1 अगस्त 2019: सुप्रीम कोर्ट का दखल

विवाद और अन्याय बढ़ता देख देश की सबसे बड़ी अदालत (सुप्रीम कोर्ट) ने 1 अगस्त 2019 को संज्ञान लिया। दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने 16 दिसंबर 2019 को सेंगर को दोषी करार दिया और इसके बाद, उम्रकैद की सजा सुनाई गई। इसके बाद अब 23 दिसंबर 2025 को फिर इस मामले में नया मोड आया। दिल्ली हाईकोर्ट ने 23 दिसंबर 2025 को सेंगर की उम्रकैद की सजा निलंबित करते हुए जमानत दे दी।

कंबोडिया में थाईलैंड ने भगवान विष्णु की प्रतिमा गिराई, भारत हुआ नाराज

थाई अधिकारियों ने कहा- 'ये बुलडोजर एक्शन धार्मिक नहीं'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

थाईलैंड और कंबोडिया की बॉर्डर पर थाई सेना ने भगवान विष्णु की एक मूर्ति तोड़ दी, जिस पर भारत ने चिंता जताई। थाईलैंड ने इस मामले पर स्पष्टीकरण जारी कर कहा कि हिंदू देवता की मूर्ति जहां स्थापित थी वह जगह रिलीजियस प्रक्टिस के लिए रजिस्टर्ड नहीं थी। इसके अलावा थाईलैंड ने इसे सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा भी बताया। इस मामले भारत ने कहा कि इस तरह के 'अपमानजनक' कृत्य से दुनिया भर में श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत होती हैं। साथ ही भारत ने थाईलैंड और कंबोडिया से अपने सीमा विवाद को बातचीत व कूटनीति के जरिए सुलझाने का आग्रह किया।

थाई-कंबोडियन बॉर्डर प्रेस सेंटर ने कहा कि हिंदू देवता की मूर्ति को तोड़ने का उद्देश्य धर्म या आस्था से संबंधित नहीं था। थाईलैंड ने इस बात पर भी जोर दिया कि वह हिंदू धर्म सहित सभी धर्मों का समान रूप से सम्मान करता है।

यह कहा भारत ने

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'हमने हाल के समय में बनाई गई एक हिंदू देवता की मूर्ति को तोड़े जाने की खबरें देखी हैं, जो थाईलैंड-कंबोडिया सीमा विवाद से प्रभावित क्षेत्र में स्थित थी। हिंदू और बौद्ध देवताओं को पूरे क्षेत्र में लोग गहरी श्रद्धा और भक्ति के साथ पूजते हैं और यह हमारी साझा सभ्यतागत विरासत का हिस्सा है।' उन्होंने कहा, 'क्षेत्रीय दावों से इतर, इस तरह के अपमानजनक कृत्य दुनिया भर के श्रद्धालुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाते हैं और ऐसा नहीं होना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'हम एक बार फिर दोनों पक्षों से आग्रह करते हैं कि वे शांति बहाल करने, जान-माल और संपत्ति, विरासत को होने वाले नुकसान से बचने के लिए संवाद और कूटनीति का रास्ता अपनाएं।'

भरे बाजार में ली जान, तनाव का माहौल

बांग्लादेश में एक और हिंदू की पीट-पीटकर हत्या

एजेंसी ▶▶| ढाका

बांग्लादेश में दीपू दास की मॉब लिंचिंग के सदमे से दुनिया उबर नहीं पाई थी कि यूनुस के राज में भीड़ ने एक और हिंदू बेटे को नोच-नोच कर मार डाला है। दीपू चंद्र दास के बाद अब अमृत मंडल उर्फ सम्राट को कुछ हैवानों ने दबोच लिया और उसकी पीट-पीट कर हत्या कर दी है। इस बार अपराधियों को ईशनिंदा का बहाना नहीं मिला तो नया आरोप इजाद कर लिया और भरे बाजार में 29 साल के युवक पर तब तक लात-घूंसे बरसाए जब तक उसका दम नहीं निकल गया। इस घटना में एक बार फिर से पुलिस किसी काम नहीं आई और घटना के बाद जांच में जुटकर जिम्मेदारी पूरी कर रही है।

यह है मामला

बताया जा रहा है कि यह घटना बुधवार रात करीब 11 बजे, पांग्शा उपजिला के होसैनडांगा ओल्ड मार्केट में हुई है लेकिन पुलिस ने तुरंत पब्लिक को इसकी जानकारी नहीं दी। पुलिस के मुताबिक, अमृत मंडल पर कथित तौर पर वसूली के आरोप लगाए गए थे। पांग्शा मॉडल पुलिस स्टेशन के ओसी शेख मोइनुल इस्लाम ने गुरुवार सुबह घटना की पुष्टि की।

प्राचीन मार्शल आर्ट गतका का प्रदर्शन...

देहरादून। देहरादून, उत्तराखंड में गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व के जश्न के हिस्से के तौर पर आयोजित नगर कीर्तन के दौरान गुरुवार को सिखों ने प्राचीन मार्शल आर्ट गतका का प्रदर्शन किया।

टैरिफ 50% से घटाकर 15% करो, रूसी तेल पर लगाई गई पेनाल्टी भी खत्म हो

ट्रेड वार्ता में भारत का अमेरिका को फाइनल ऑफर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर पीएम मोदी ने डोनाल्ड ट्रंप को फाइनल ऑफर दिया है। भारत ने अमेरिका से सामने 50% टैरिफ को घटाकर 15% करने और रूस से कच्चा तेल खरीदने पर लग रहे 25% पेनाल्टी को पूरी तरह खत्म करने की मांग की है। भारत ने अमेरिका से साफ कहा है कि अगर हमारी ये दोनों मांग पूरी की जाती है तो ट्रंड डील पर आगे बात की जाएगी। वहीं इसके बाद दोनों देशों के बीच चल रही इस वार्ता से नए साल में कोई ठोस फैसला निकलने की उम्मीद है। दोनों देशों के बीच एक व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत चल रही है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल का कहना है कि समझौते पर जल्द सहमति बन सकती है, हालांकि उन्होंने कोई तय समय सीमा नहीं बताई। इस हफ्ते भारत और अमेरिका की व्यापार टीमों के बीच दिल्ली में बैठक हुई। बातचीत दो मुद्दों पर हो रही है। पहला एक बड़े और स्थायी व्यापार समझौते पर और दूसरा अमेरिका की तरफ से भारत पर लगाए गए 50% टैरिफ को हटाने या कम करने के लिए एक फ्रेमवर्क समझौते पर। अमेरिका अगर भारत की डिमांड पूरी कर देता है तो जनवरी में आने वाले आंकड़ों में भारत के रूसी तेल आयात में बड़ी गिरावट दिख सकती है।

यह पेनाल्टी गलत

अमेरिका ने भारत पर कुल 50% टैरिफ लगाया है। इसमें से 25% को वह 'रेसिप्रोकल (जैसे को तैसा) टैरिफ' कहता है। जबकि 25% रूसी तेल खरीदने की वजह से लगाया गया है। अमेरिका का कहना है कि इससे रूस को यूक्रेन युद्ध जारी रखने में मदद मिल रही है। भारत का कहना है कि यह पेनाल्टी गलत है और इसे तुरंत हटाया जाना चाहिए। बता दें, यूक्रेन युद्ध के बाद भारत रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार बन गया था, जिस पर ट्रम्प प्रशासन ने कई बार सवाल उठाए हैं।

खालिदा जिया के बेटे की 17 साल बाद बांग्लादेश वापसी

ढाका। इधर, बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान गुरुवार को 17 साल बाद देश लौट आए हैं। वे गिरफ्तारी से बचने के लिए 2008 में लंदन भाग गए थे। तब हसीना सरकार में उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के कई मामले चल रहे थे। तारिक के स्वागत में उनकी पार्टी बीएनपी के 1 लाख से ज्यादा कार्यकर्ता जुटे। ढाका एयरपोर्ट से लेकर 300 फीट रोड तक रोड शो किया। इस 13 किलोमीटर के रास्ते को कवर करने में उन्हें 3 घंटे का समय लगा। 300 फीट रोड पर तारिक ने 17 मिनट भाषण दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम देश में शांति कायम करेंगे और नया बांग्लादेश बनाएंगे। हालांकि उन्होंने शेख हसीना को लेकर एक शब्द भी नहीं कहा।

भारतीय सेना में तैनात जवानों के लिए बदली गई सोशल मीडिया पॉलिसी

इंस्टाग्राम देख पाएंगे लेकिन न पोस्ट कर पाएंगे, न कमेंट-लाइक

नई दिल्ली

भारतीय सेना में तैनात जवानों के सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने पर पाबंदी थी। सेना ने अब अपनी सख्त सोशल मीडिया पॉलिसी में बदलाव किया है। सेना ने अपनी सोशल मीडिया पॉलिसी में बदलाव करते हुए जवानों को इंस्टाग्राम का उपयोग करने की अनुमति दे दी है। सेना ने जवानों को इंस्टाग्राम का उपयोग केवल देखने और निगरानी के उद्देश्य से करने की अनुमति दे दी है। सेना ने जवानों को इंस्टाग्राम का उपयोग करने की इजाजत भी कुछ सख्त पाबंदियों के साथ दी है। जवान इंस्टाग्राम का इस्तेमाल का इस्तेमाल कर तो सकेंगे, लेकिन सिर्फ देखने के लिए। जवान इंस्टाग्राम प्लेटफॉर्म पर किसी भी तरह की पोस्ट नहीं कर पाएंगे, और ना ही किसी की पोस्ट पर लाइक या कमेंट ही कर सकेंगे। जवानों के इंस्टाग्राम पर पोस्ट करने, लाइक-कमेंट करने या मैसेज शेयर करने पर पाबंदी जस की तस जारी रहेगी।

यूट्यूब और ट्विटर यानी एक्स को लेकर पहले से हैं निर्देश

सीमित उपयोग वाले ऐप लिस्ट में शामिल : सेना की संशोधित सोशल मीडिया पॉलिसी को लेकर सेना ने कहा है कि इंस्टाग्राम को औपचारिक रूप से सीमित उपयोग वाले सोशल मीडिया ऐप की लिस्ट में शामिल कर लिया गया है। इस लिस्ट में यूट्यूब और ट्विटर यानी एक्स पहले से ही शामिल हैं। इस लिस्ट में शामिल ऐप्स का उपयोग केवल निगरानी, सूचना प्राप्त करने के लिए ही किया जा सकता है। इन प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करने वाला जवान कोई भी पोस्ट नहीं कर सकता, किसी डिबेट में शामिल नहीं हो सकता. सेना ने यह भी साफ किया है कि सुरक्षित और सही उपयोग की पूरी जिम्मेदारी संबंधित व्यक्ति की होगी।

इनके उपयोग को लेकर भी निर्देश

सेना ने जवानों को यह सलाह भी दी है कि क्लाउड बेस्ड स्टोरेज सेवाओं का उपयोग करते समय बहुत सावधानी बरतें. अपडेटेड गाइडलाइंस में वीपीएन, टोरेंट प्लेटफॉर्म क्रैक या पायरेटेड सॉफ्टवेयर, बिना नाम के वेब प्रॉक्सी और गैर वेरिफाइड वेबसाइट्स के उपयोग को लेकर निर्देश हैं।

2019 तक थी पूर्ण पाबंदी

2019 तक सेना के जवानों को किसी भी सोशल मीडिया ग्रुप का हिस्सा बनने की अनुमति नहीं थी। सोशल मीडिया के गलत इस्तेमाल होने से जुड़े कई मामले आने पर 2020 में सेना ने नियम और कड़े कर दिए और जवानों को फेसबुक व इंस्टाग्राम समेत 89 मोबाइल ऐप हटाने के निर्देश दिए गए। हालांकि सख्त नियमों के बीच सेना ने कुछ प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, यूट्यूब, एक्स, लिंक्डइन, कोरा, टेलीग्राम और व्हाट्सएप को कड़े नियमों और निगरानी के साथ इस्तेमाल करने की बाद में अनुमति दे दी।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886